चैत्र कृष्ण पक्ष- 6, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक- 242 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
09 मार्च 2026 सोमवार

आज का मौसम
34.8 अधिकतम
15.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था - मेरी मर्जी के बिना सुप्रीम लीडर न चुनें

ट्रम्प की धमकी दरकिनार मुजतबा ईरान के सुप्रीम लीडर

अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे को मिली विरासत, अब तक किसी पद पर नहीं रहे

तेहरान / तेल अवीव. एजेंसी

अमेरिका की धमकी को दरकिनार करते हुए ईरान में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा खामेनेई को उनका उत्तराधिकारी और देश का नया सुप्रीम लीडर चुन लिया गया है। उनके नाम का ऐलान ईरानी सरकारी टीवी ने आज तड़के किया। ईरान के इस फैसले से क्षेत्र में जारी जंग के नया मोड़ लेने के आसार हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कई बार चेताया था कि उनकी मर्जी के बगैर नए नेता का चुनाव न किया जाए वरना उनका भी खामेनेई जैसा ही हाल होगा। इजराइल ने धमकी दी थी कि वो खामेनेई के उत्तराधिकारी को भी खत्म कर देंगे।

अयातुल्ला के बेटे मुजतबा खामेनेई को लंबे समय से इस पद के प्रमुख दावेदारों में माना जाता रहा था। हालांकि उन्होंने कभी कोई निर्वाचित या औपचारिक सरकारी पद नहीं संभाला है। उनके पिता अयातुल्ला 1989 में रुहोल्लाह खुमैनी के निधन के बाद से ईरान के सर्वोच्च नेता के पद पर काबिज थे। ईरान में 1979 की इस्लामिक क्रांति के दौरान, जब शाह मोहम्मद रजा पहलवी को हटाया गया तो खामेनेई ने क्रांति में बड़ी भूमिका निभाई थी। ईरान के इस्लामिक कानून के मुताबिक, सुप्रीम लीडर बनने के लिए अयातुल्ला होना जरूरी है। यानी कि सुप्रीम लीडर का पद सिर्फ एक धार्मिक नेता को ही मिल सकता है।

ट्रम्प बोले- सही समय पर फैसला लेंगे

ट्रम्प ने ईरान में मुजतबा खामेनेई के सुप्रीम लीडर बनने पर कोई टिप्पणी नहीं की। उन्होंने सिर्फ कहा कि देखते हैं आगे क्या होता है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध को खत्म करने का फैसला वे और नेतन्याहू मिलकर करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर उनकी नेतन्याहू से लगातार बातचीत हो रही है और सही समय आने पर फैसला लिया जाएगा। इसके अलावा ट्रम्प ने इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से कहा कि वे नेतन्याहू को भ्रष्टाचार मामले में माफी दे दें, ताकि वे युद्ध पर ध्यान दे सकें।

ईरान की मदद नहीं कर रहे हूती

ईरान पर हमले के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव है। इस जंग में ईरान, इजराइल,सऊदी, लेबनान, यूएई जैसे मिडिल ईस्ट के कुल 12 देश शामिल हो चुके हैं। हालांकि जंग के 9 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक यमन इससे दूर है। यमन में हूती विद्रोही रहते हैं जो कि ईरान के सहयोगी माने जाते हैं। अक्टूबर 2023 में गाजा जंग शुरू होने के बाद कई बार इजराइल और हूती विद्रोही एक-दूसरे पर हमला कर चुके हैं। पिछले साल जून में इजराइल और ईरान के बीच 12 दिन जंग चली थी, तब भी हूती विद्रोही इस जंग में शामिल थे। हालांकि इस बार ईरान पर हमले के बाद से अब तक हूती विद्रोहियों ने ईरान का समर्थन केवल बयानों के जरिए ही किया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि वे आगे भी इस जंग से दूर रहेंगे या नहीं।

कच्चे तेल की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल

मिडिल ईस्ट में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के दाम साढ़े तीन साल के हाई पर पहुंच गए हैं। रविवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत 116 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई है। इससे पहले 2022 में कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकला था। जंग के दौरान यानी 10 दिन में ही कच्चा तेल करीब 60 फीसदी महंगा हो चुका है। हालांकि, भारत सरकार का कहना है कि हमारे पास पर्याप्त तेल है, लिहाजा भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे।

सेंसेक्स 2300 अंक नीचे खुला

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध के कारण शेयर बाजार में आज बड़ी गिरावट देखी गई। सेंसेक्स करीब 2,300 अंक (2.80 फीसदी) नीचे खुला जो समाचार लिखे जाने तक थोड़ा संभलकर 1800 अंक की गिरावट के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में भी करीब 700 अंक (2.80 फीसदी) की गिरावट है, ये 23,750 पर कारोबार कर रहा है। आज बैंक, ऑटो, मेटल, एनर्जी व एफएमसीजी शेयरों में ज्यादा बिकवाली है। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है।

झुलसता ईरान, झुंझलाते ट्रम्प और नुकसान को नफे में बदलता इजराइल

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

जिद और विध्वंस - पार्ट 1

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले की तस्वीर बयां कर रही है कि ईरान ने जंग में बुरी तरह झुलसने के बावजूद अपने वजूद के लिए किसी भी हद तक जाने के लिए कमर कस रखी है। ईरान पर हमले को लेकर अमेरिका और इजराइल के अपने - अपने छुपे हुए एजेंडे हैं। ट्रम्प पूरी दुनिया को झुकाने की जिद पालकर बैठे थे। ताजा जंग वो जीत भी लेंगे लेकिन ईरान के अप्रत्याशित प्रतिरोध ने उनकी हसरतों पर पानी फेर दिया है। उसे कमतर आंकने की भूल से उनकी खीझ झुंलझाहट में तब्दील हो चुकी है। इजराइल की मंशा यही थी कि ईरान के अचूक और सबसे ताकतवर मिसाईल भंडार खत्म हो जाएं। इसमें वह कामयाब होता दिख रहा है। ईरान और इजराइल ने ईरान पर परमाणु बम बनाने के नाम पर जो संयुक्त हमला बोला ,वह महज बहाना था। दोनों जानते थे कि ईरान की हैसियत परमाणु बम बनाने की नहीं हैं। अमेरिका ने कमोबेश उसी तर्ज पर ईरान पर धावा बोला जैसा कि उसने दो दशक पहले रासायनिक हथियारों के जखीरों के नाम पर ईराक पर बोला था। ईराक की जंग जीतने और सद्दाम हुसैन को मौत की नींद सुलाने के बाद पूरी दुनिया जान गई कि अमेरिका का असली मकसद ईराक में अपनी कठपुतली सरकार बिठाकर उसके तेल भंडारों और संयंत्रों पर नियंत्रण का था। जहां तक ईरान के परमाणु बम कार्यक्रम का सवाल है तो उसके धार्मिक सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली ख़ामेनेई ने जंग टालने के मकसद से अमेरिका को ऑफर दिया था कि वह अपनी टीम भेजकर खुद पुष्टि कर ले कि उसका परमाणु कार्यक्रम सिर्फ उर्जा के लिए है, लेकिनअमेरिका और इजराइल ने उसकी सबसे बड़ी ताकत यानि मिसाइल पॉवर को खत्म करने की शर्त रख दी। इसमें अमेरिका से ज्यादा इजराइल में असुरक्षा का भाव निहित था। उसे पता था कि ईरान की मिसाइल प्रणाली के दायरे में इजराइल सीधे तौर पर आता है। अमेरिका तक उसकी पहुंच हो ही नहीं सकती। दुनिया में सैन्य शक्ति के मामले में सर्वाधिक संपन्न अमेरिका और इजराइल द्वारा किसी देश पर यह शर्त अनाधिकार चेष्टा ही थी। यानि वे खुद तो आधुनिक शस्त्रों से लैस रहें और आप निहत्थे हो जाओ। भला इसे कौन देश मानता। ईरान भी नहीं माना । नतीजा 28 फरवरी की सुबह दोनों देशों ने ईरान के खिलाफ जंग छेड़ दी। पहले ही दिन उन्होंने ख़ामेनेई सहित उनके कई बड़े लीडर्स को मौत के घाट उतार दिया। ईरान के नहीं झुकने से अमेरिका को अंदाजा हो गया था कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की तरह अपने कमांडो के बूते पर खामेनेई को जिंदा पकड़ना लगभग नामुमकिन है। लेकिन यहां अमेरिका भूल कर गया और उसने पूरे ईरान को एकजुट कर दिया।

अमेरिका चाहता था कि वह ईरान में जेन जी आंदोलन के दौरान भड़की या भड़काई गई हिंसा की आड़ में ईरान में खामेनेई की जगह अपनी कठपुतली सरकार बना लेगा। उसके तेल भंडारों पर कब्जा कर लेगा। पाकिस्तान के गिरगिटी मिजाज का अंदाजा तो ट्रम्प प्रशासन को पहले से ही है, क्योंकि वह एक साथ चीन और अमेरिका की नाव पर सवारी की कोशिश कर रहा है। ट्रम्प ने इसीलिए ईरान पर दांव खेला । ईरान कब्जे में आ जाएगा

तो अपनी कठपुतली सरकार के साथ वह ईरान के विशाल तेल भंडारों पर परोक्ष नियंत्रण भी कर लेगा । साथ में ईरान की धरा से वह रूस और चीन पर निगरानी तथा अपनी सामरिक रणनीति को बेहतर तरीके से अंजाम भी दे सकेगा। लेकिन ट्रम्प ने ईरान के पलटवार के इरादों को समझने की बड़ी भूल कर दी। उन्हें अंदाजा नहीं था कि ईरान अपनी बेजोड़ मिसाईल क्षमता के बूते पर इजराइल के साथ ही मिडिल ईस्ट में जवाबी हमला करके उसके सैन्य बेस को निशाना बनाएगा। इसके फेर में खाड़ी देशों को अमेरिकी सैन्य अड्डों के साथ देश भर में हमले झेलना पड़े। अमेरिका ने इजराइल को तो बचाने के प्रयास किए लेकिन खाड़ी देशों को उनके हाल पर छोड़ दिया। इसकी कसक खाड़ी देशों में तेजी से घर कर रही है। अमेरिका को पहला झटका उसके पुराने सहयोगी ब्रिटेन ने दिया। अपना सैन्य बेस इस्तेमाल करने देने से उसने साफ इंकार कर दिया। कहा कि ट्रम्प ईरान पर हमले के पहले अपनी रणनीति साझा करें। अमेरिका से सुरक्षा का भरोसा पाले खाड़ी देश न तो इसके अंजामों को समझ सके और न उसको हमले से रोक सके। इसका बड़ा खामियाजा उन्होंने भुगता । उनके सिर से खतरे के बादल अभी भी छंटे नहीं हैं। क्योंकि ईरानी राष्ट्रपति ने मिडिल ईस्ट के देशों से माफी मांगकर आगे हमला नहीं करने का जो वादा किया, उसे ईरान की इस्लामिक रिपब्लिक गार्ड कार्पस यानि आईआरजीसी ने मानने से इंकार कर दिया।

जारी...

न्यूज विंडो

रेवाड़ी में भूकंप के झटके घरों से बाहर निकले लोग

नई दिल्ली। दिल्ली के रेवाड़ी में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र हरियाणा के रेवाड़ी में 5 किमी की गहराई में था। सुबह 7 बजकर 1 मिनट पर भूकंप के झटके आए। वहीं रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.8 दर्ज की गई है।

घर में आग के बाद महिला बाथरूम में हुई बंद, मौत

ग्वालियर। दौलतगंज स्थित बालाबाई के बाजार की संकरी गली में एक मकान में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि घर में मौजूद परिवार के लोग बाहर नहीं निकल पाए और लपटों के बीच फंस गए। फायर ब्रिगेड और स्थानीय लोगों की मदद से खिड़कियां व कांच तोड़कर पांच लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन परिवार की बहू अंकिता अग्रवाल की दम घुटने से मौत हो गई।

अधिवक्ता परिषद चुनाव के लिए 12 मई को वोटिंग

इंदौर। राज्य अधिवक्ता परिषद के पांच वर्ष में एक बार होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। इसके मुताबिक 12 मई को पूरे प्रदेश में एक साथ मतदान होगा। मतगणना 16 जून से शुरू होगी। कार्यकारिणी सदस्य के 25 में से सात पद इस बार महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं, लेकिन इनमें से सिर्फ पांच पद के लिए ही चुनाव होगा।

आज का कार्टून

सरकार का पक्ष... शांति और बातचीत चाहता है भारत

जंग पर लोकसभा में हंगामा, विदेश मंत्री बोले - भारतीयों को अलर्ट किया था

नईदिल्ली, एजेंसी

संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालात पर चर्चा की मांग कर रहा था। उधर, विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में खाड़ी देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया।

राज्यसभा में विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया। जयशंकर ने कहा, 'इस समय ईरान की लीडरशिप से संपर्क मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है।' लोकसभा में भी विपक्ष ने विदेश मंत्री को बोलने नहीं दिया। उनकी स्पीच के दौरान हंगामा किया।

उधर, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को हटाने की मांग वाले विपक्ष के प्रस्ताव पर चर्चा पर हंगामा हुआ। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हम चर्चा को तैयार हैं। आप चर्चा कीजिए। मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं और वेस्ट एशिया में स्थिरता

बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं।

सप्लाई चेन में रुकावट गंभीर मुद्दा

विदेश मंत्री ने कहा सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं।

अमोनिया का रिसाव महिला कर्मियों की हालत बिगड़ी

मंडी धनौरा (अमरोहा), एजेंसी

चांदपुर मार्ग पर ग्राम चुचैला कलां स्थित मटर फ्रोजन प्लांट में अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। गैस का रिसाव होते ही प्लांट के भीतर काम कर रहे कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। तमाम कर्मचारी दौड़कर बाहर आ गए। हालांकि छह महिलाओं की हालत बिगड़ गई। प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों का चुचैला कलां के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। चांदपुर मार्ग पर अपराइट इनोवेटिव सोल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड नाम से मटर फ्रोजन प्लांट है। इस प्लांट में मटर के दाने को फ्रीज किया जाता है। रविवार की दोपहर बाद प्लांट से अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। गैस रिसाव होते ही भीतर काम कर रहे कर्मचारियों को सांस लेने में दिक्कत होनी शुरू हो गई।

हाईकोर्ट पहुंचा दिल्ली शराब घोटाला

केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को नोटिस

नईदिल्ली. एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में सीबीआई द्वारा दायर की गई उस याचिका पर सुनवाई की, जिसमें निचली अदालत द्वारा अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई थी।

कोर्ट ने इस मामले में सभी 23 पक्षों को नोटिस जारी कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। हाई कोर्ट ने सीबीआई की अपील को स्वीकार करते हुए सभी आरोपियों से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई अब 16 मार्च को तय की गई है। इसके साथ ही, दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि शराब नीति घोटाले के हवाला के मामले में आगे कोई सुनवाई नहीं होगी, जब तक हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी नहीं हो

जाती है। हाई कोर्ट ने इस मामले में सभी आरोपमुक्त आरोपियों को नोटिस जारी किया। हाईकोर्ट राउज एवेन्यू कोर्ट के आदेश के उस हिस्से पर रोक लगा सकता है, जिसमें सीबीआई के जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच की संस्तुति की गई थी। अदालत ने कहा कि निचली अदालत के कुछ ऑब्जर्वेशन तथ्यात्मक रूप से गलत थे। कोर्ट में सुनवाई होने तक ईडी के मामले में केजरीवाल, सिसोदिया समेत 23 आरोपी आरोपमुक्त नहीं हो सकेंगे। एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट के डिस्चार्ज आदेश को चुनौती दी है।

रचा नया इतिहास... रंग पंचमी पर टीम इंडिया ने उड़ाई कीवी ब्रिगेड की रंगत

आखिरकार 2024 टी 20 वर्ल्ड चैंपियन टीम के कप्तान रोहित शर्मा का वह विज्ञापन एकदम सटीक साबित हुआ जिसमें उन्होंने जताया था कि टीम इंडिया इस बार इतिहास दोहराएगी भी और इतिहास को तोड़ेगी भी।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

टीम इंडिया ने अब यही कर दिखाया है। उसने इतिहास बदलकर नया अध्याय लिख दिया है। सही मायने में रंगपंचमी की रंगत के सामने कीवी फीके पड़ गये। फाइनल मुकाबले में भारत ने कीवी के सारे रंग उतार दिए जो उसने होली के दिन अफ्रीका को एकतरफा अंदाज में धोकर खुद पर चढ़ाये थे। फाइनल मुकाबले में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 96 रनों के बड़े अंतर से चारों खाने चित किया। अहमदाबाद के मैदान में टी20 वर्ल्ड कप के कई ऐसे रिकॉर्ड भारत अपने नाम दर्ज कर लिए जो इसके पहले कोई टीम नहीं कर सकी थी। अहमदाबाद के मैदान में 1 लाख 20 हजार दर्शकों की मौजूदगी ओर जियो हॉटस्टार पर लाइव देख रहे लगभग 80 करोड़ खेल प्रेमियों वाले बड़े मुकाबले में पूरे मैच में ही टीम इंडिया का दबदबा रहा। अब अगर हम पूरे टूर्नामेंट में टीम इंडिया के सफल सफरनामे की बात करें तो फिर मौजूदा वर्ल्ड कप में फाइनल से पहले टीम इंडिया ने कुल 8 मैच खेले जिसमें से 6 मुकाबले पहले बल्लेबाजी करते हुए जीते। पूरे टूर्नामेंट में उसको एकमात्र हार साउथ अफ्रीका से चेस करने में झेलनी पड़ी थी। वैसे तो वेस्टइंडीज के खिलाफ भी वह 193 रनों को चेस करने मे कामयाब हुई थी,लेकिन इस चेस में वेस्टइंडीज की कमजोर गेंदबाजी का किरदार भी अहम था। मतलब साफ है कि चैंपियन टीम इंडिया की असल ताकत उसकी पहले बल्लेबाजी रही है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मौजूदा टूर्नामेंट में 3 बार इस टीम ने 250 रनों का आंकड़ा पार किया है। वह भी करो या मरो (जिम्बाब्वे,सेमीफाइनल और फाइनल) वाले मुकाबलों में। फिर भी न्यूजीलैंड के कप्तान सेंटनर ने टॉस जीतकर टीम इंडिया की ताकत को दोगुना करने में चूक कर दी। मेरे नजरिये में कीवी कप्तान का टॉस जीतकर लिया गया यह फैसला ही उनके लिए आत्मघाती साबित हुआ। उनकी इस सोच की असल वजह सेमीफाइनल में अफ्रीका के खिलाफ एकतरफा चेस पावर भी हो सकती है, लेकिन सच तो यह है कि चतुर कप्तान वही होता है जो मैच दर मैच अपनी रणनीति विरोधी टीम के हिसाब से तैयार करता है। मैदान के बाहर के नहीं वरन उनके मैदानी फैसले भी बेहद अटपटे रहे। दरअसल हेनरी से गेंदबाजी की शुरुआत के बाद अभिषेक शर्मा के खिलाफ जाल बुनने के लिए दूसरे ओवर में फिलिप को आजमाने के बाद तीसरे ओवर से ही एक के बाद एक गेंदबाजी परिवर्तन समझ से परे थे,जबकि हेनरी ने 7 और फिलिप ने सिर्फ 5 रन खर्च किये थे। इस बात को झुठलाया नहीं जा सकता कि उनके अटपटे फैसलों के बाद टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने जो विस्फोट किया वह जीत की असल नींव कही जा सकती है। सैमसन, अभिषेक और ईशान किशन ने कीवी गेंदबाजी की बखिया उधेड़ कर रख दी, जिसका समापन शिवम दुबे ने आखिरी ओवर में उनकी गेंदबाजी को तहस नहस करके किया। वहीं 256 रनों के मजबूत कवच के बचाव में उतरे गेंदबाजों ने भी इस मैच में अपना किरदार बखूबी निभाया। हमेशा की तरह भरोसेमंद बुमराह ने अक्षर पटेल के साथ मिलकर इस मैच में कीवी बल्लेबाजों की कमर तोड़ कर रख दी। भले ही टी20 फॉर्मेट में चेस करने का फार्मूला कुछ भी हो लेकिन किसी भी बड़े मुकाबले में स्कोरबोर्ड प्रेशर के मायने क्या होते हैं यह बात एक बार फिर कल की निर्णायक भिड़ंत में देखने को मिली। वैसे अगर हम टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप के जीते तीनों ही खिताब की बात करें तो फिर उसने सभी खिताबी जीत अपने स्कोर को डिफेंड करते हुए हासिल की हैं। खैर यह सभी बातें अगर मगर की हो सकती हैं जिसके क्रिकेट में कोई मायने नहीं होते हैं। इस तरह के विश्लेषण को सिर्फ हार और जीत की वजह मात्र को तलाशना भी कहा जा सकता है। यह सभी बातें भविष्य के गर्त में समा भी जाएंगी। जो सच है बस वह यही कि टीम इंडिया ने इस फॉर्मेट के वर्ल्ड इवेंट में चैंपियन बनते हुए इतिहास दोहराया भी, हराया भी और नया इतिहास लिख भी दिया।

रंगपंचमी पर जमकर बरसा रंग-गुलाल, ढोल-डीजे पर थिरके लोग

भोपाल। राजधानी में रंगपंचमी की धूम रही। पारंपरिक चल समारोह धूमधाम के साथ निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। जिन्होंने रंग-गुलाल के साथ उत्सव मनाया। इसके अलावा शहर में कई स्थानों पर आयोजित होली मिलन समारोहों में भी लोग हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए और एक-दूसरे से गले मिल एकता व बंधुत्व का संदेश दिया। चल समारोह में दुलदुल घोड़ी, ढोल-ताशे, डीजे और बैंड आकर्षण का केंद्र रहे। होली खेलते शिव-पार्वती, अघोरी द्वारा राख की होली एवं भोपाल की प्रसिद्ध डमरू टीम द्वारा भी प्रस्तुति दी गई। इस दौरान श्रद्धालु पिचकारी और गुलाल के साथ एक-दूसरे को रंग लगाते हुए जुलूस के साथ आगे बढ़े। जिससे पूरा मार्ग रंगों से सराबोर नजर आया। श्री हिंदू उत्सव समिति द्वारा आयोजित यह जुलूस सुभाष चौक से शुरू हुआ था। सराफा मार्केट से निकलकर जुलूस जुमेराती गेट, पीर गेट चौराहा होते हुए जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा था, वैसे ही होरियारों की संख्या भी बढ़ती जा रही थी। पूरे मार्ग में ढोल-नगाड़ों की थाप और रंगों की बौछार के बीच हजारों लोग उत्सव का आनंद लिया। मार्ग के प्रमुख चौराहों पर हुरियारों पर टैंकरों से नर्मदा जल और रंग की वर्षा की गई।

30-50 फीट गहरी खुली खदानें बनीं खतरा, ग्रामीणों में नाराजगी

अरेड़ी गांव में 50 फीट गहरी खुली खदानों में समा रही जिंदगियां, पन्द्रह मौतों के बाद भी प्रशासन मौन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के अरेड़ी गांव में सड़कों के किनारे और घरों के पास 30 से 50 फीट गहरी पुरानी खदानें खुले गड्ढों के रूप में पड़ी हैं, जो लगातार हादसों को आमंत्रण दे रही हैं। गांव में करीब 15 से अधिक ऐसी खंतियां मौजूद हैं, जिनके आसपास पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। कई जगह तो घरों की दीवारें तक इन गहरे गड्ढों से सटी हुई दिखाई देती हैं। कुछ स्थानों पर तार फेंसिंग लगाई गई है, लेकिन अधिकतर हिस्से अब भी खुले पड़े हैं। शनिवार शाम 24 वर्षीय रोहित माली पिता संतोष माली की तेज रफ्तार कार अरेड़ी गांव की क्रेशर बस्ती के पास ऐसी ही एक खदान में गिर गई। कार में सवार उसके दो दोस्तों को ग्रामीणों ने बचा लिया, लेकिन रोहित की पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस और नगर निगम के बचाव दल के पहुंचने के बाद उसका शव बाहर निकाला जा सका।

खदानों के बीच से गुजरते हैं रास्ते

अरेड़ी गांव में जिस रास्ते से कार जा रही थी, उसके दोनों ओर गहरी खदानें हैं और वाहनों के निकलने के लिए करीब 15 फीट चौड़ा रास्ता ही बचा है। गांव के कई रास्ते इन खदानों के बीच से गुजरते हैं और बच्चे भी इन्हीं खतरनाक गड्ढों के आसपास खेलते दिखाई देते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन खदानों से करीब 50 मीटर दूरी पर शासकीय स्कूल भी स्थित है। स्कूल आने-जाने वाले बच्चे रोज इन गड्ढों के

AI फोटो

पास से गुजरते हैं। खनिज और पर्यावरण से जुड़े नियमों के अनुसार किसी भी खदान के बंद होने के बाद उसे सुरक्षित बनाना खदान संचालक की जिम्मेदारी होती है। भारतीय खान अधिनियम और पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों के तहत खदान क्षेत्र को या तो मिट्टी से भरना होता है या चारों ओर मजबूत बाउंड्री, बैरिकेडिंग और चेतावनी बोर्ड लगाना अनिवार्य होता है। जिला खनिज अधिकारी मान सिंह रावत के अनुसार अरेड़ी की जिस खदान में हादसा हुआ है वह पुरानी और बंद खदान है, जिसके चारों ओर सुरक्षा के लिए तार फेंसिंग की गई थी। उन्होंने बताया कि चालू खदानों के संचालकों को सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश पहले से दिए गए हैं और समय-समय पर निरीक्षण भी किया जाता है। यदि कहीं लापरवाही पाई जाती है तो कार्रवाई की जाएगी।

30 साल पहले बनी थीं खदानें

ग्रामीणों के अनुसार गांव में पहले गिट्टी बनाने के लिए क्रेशर मशीनें लगाई गई थीं। उसी दौरान बड़े पैमाने पर खुदाई हुई और ये खदानें बन गईं। करीब 30 साल पहले क्रेशर बंद हो गए, लेकिन तब से अब तक इन खदानों को न तो भरा गया और न ही इनके आसपास पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की गई। बरसात के मौसम में स्थिति और खतरनाक हो जाती है, क्योंकि पानी भर जाने से गड्ढों की गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।

15 साल में बस गई आबादी

ग्रामीण गोपाल सिंह के अनुसार खदानें करीब 30 साल पहले खोदी गई थीं और लगभग 15 साल पहले यहां बस्ती बसनी शुरू हुई। उनका कहना है कि प्रशासन ने सिर्फ कुछ जगहों पर तार फेंसिंग कराई है, लेकिन अन्य सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि इन खदानों में गिरने से अब तक करीब 15 लोगों की मौत हो चुकी है। साहिब सिंह श्रीवास्तव ने बताया कि वे पांच-छह साल से यहां रह रहे हैं और एक बार उनका ई-रिक्शा भी खदान में गिर चुका है, जिससे उन्हें चोटें आई थीं। उनका कहना है कि बच्चों के आसपास खेलने से हर समय हादसे का डर बना रहता है।

'लोकध्वनि से बाल ध्वनि तक' विषय पर विमर्श एवं काव्यपाठ आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बाल साहित्य शोध सृजन पीठ, साहित्य अकादमी, संस्कृति परिषद, भोपाल द्वारा 'लोक ध्वनि से बाल ध्वनि तक' विषय पर विमर्श एवं काव्यपाठ का आयोजन किया गया। बाल साहित्य शोध सृजन पीठ की निदेशक डॉ. मीनू पांडे ने स्वागत एवं आधार वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रथम सत्र में दिये गये विषय पर विमर्श एवं द्वितीय सत्र में बाल साहित्यकारों द्वारा काव्यपाठ किया गया।

प्रथम सत्र में विषय प्रवर्तन वरिष्ठ साहित्यकार उमाकांत मिश्रा ने किया। वरिष्ठ बाल साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत ने कहा कि अपने संस्कार और संस्कृति की रक्षा के लिए लोक से जुड़ना जरूरी है।सोशल मीडिया का बढ़ता हुआ प्रभाव हमारी भाषा भूषा और भोजन को दूषित कर रहा है। बाल साहित्यकार गोकुल सोनी ने कहा - लोक ध्वनि से बाल ध्वनि को समाज कितना ध्यान देता था यह इससे जाहिर होता है कि ऋग्वेद यजुर्वेद एवं अथर्ववेद में बच्चों की शिक्षा और संस्कार संबंधित सूक्त दिये हुए हैं। पत्रकार आशीष द्विवेदी ने बताया कि बच्चों में होने वाले डिजिटल अपराध रोकने के लिए माता-पिता को स्वयं इस आभासी दुनिया से दूरी बनाये रखनी होगी और बच्चों से संवाद स्थापित करना होगा। बाल साहित्यकार कविता शुक्ला ने ध्वनि के विभिन्न प्रकारों पर अपना वक्तव्य केंद्रित करते हुए लोक ध्वनि की विशेषताओं के बारे में जानकारी प्रदान की। शिक्षाविद डॉ. वर्षा तिवारी ने पौराणिक ग्रंथों के संरक्षण एवं बच्चों के बीच पठन-पाठन की आवश्यकता की ओर सभी का ध्यानाकर्षण किया।

द्वितीय सत्र में अध्यक्ष की भूमिका में वृंदावन राय सरल रहे। काव्यपाठ करने वालों में प्रमुख रचनाकार आर के तिवारी, डॉ नलिन निर्मल, डॉ. प्रभात कटारे, प्रतिभा द्विवेदी 'मुस्कान', दीपाली गुरु, प्रदीप पांडेय, पवन रजक, भानुप्रताप यादव 'शुभारंभ', नीतु तिवारी और हर्षिता प्रताप सिंह शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजन

समाज में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं को किया पुरस्कृत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी स्थित एक होटल में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य कर रही महिलाओं को सम्मानित करना और उनके योगदान को सार्वजनिक रूप से पहचान दिलाना था। समारोह में भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय नवाचार, सामाजिक सेवा और आंत्रप्रेन्योरशिप में योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री उल्का गुप्ता मौजूद रहीं। उन्होंने महिलाओं को उनके प्रयासों और उपलब्धियों के लिए बधाई दी और समाज में आगे बढ़ रही महिलाओं को प्रेरित किया। इसके अलावा, समारोह में एक्सीलेंस टाइम एंटरटेनमेंट के प्रबंध संचालक हरिओम जटिया, एसीपी गोविंदपुरा अदिति सक्सेना, सुरेश तोमर, सचिव महिला आयोग, आराधना मालवीय, निक्की मालवीय सहित कई व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित हरिओम जटिया ने कहा कि सम्मान समारोह में उपस्थित महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इनमें समाज सेवा में योगदान देने वाली महिलाएं, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में कार्य कर रही महिलाएं और विभिन्न सामाजिक और शैक्षिक पहलों को आगे बढ़ाने वाली महिलाएं शामिल थीं। उल्का गुप्ता ने कहा कि आज महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपनी भूमिका को मजबूत किया है। चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा या व्यवसाय, महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्टता का उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे महिलाओं के इस साहस और नवाचार से प्रेरणा लें और अपने समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करें।

वेबीनार का आयोजन :

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय हमीदिया महाविद्यालय में महिला दिवस पर कॉलेज की आंतरिक परिवाद समिति के तत्वावधान में एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकार, लैंगिक समानता तथा कार्यस्थल पर उनकी सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में विशेष वक्ता डॉ. सुचित्रा शर्मा व लखनऊ के खुन-खुनजी कॉलेज से डॉ. अंशु केडिया ने विचार साझा किए।

मिलन रेस्टोरेंट पर कर चोरी के संदेह में आयकर टीम ने की जांच

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर में स्थित नामी मिठाई की दुकान मिलन रेस्टोरेंट एण्ड फास्टफूड पर आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। टीम ने कार्रवाई के दौरान जहां संचालक से पूछताछ की। वहीं आय-व्यय, बिक्री और बिलिंग से संबंधित रिकार्ड की जांच पड़ताल की। आयकर विभाग को संदेह है कि दुकान में कम बिक्री बताकर संचालक द्वारा कर चोरी की जा रही है। रेस्टोरेंट पर कई ग्राहक नाश्ता कर रहे थे, उसी समय आयकर विभाग की टीम ने छापामार कार्रवाई की। टीम ने यहां काम कर

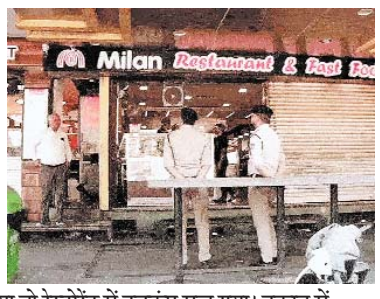

रहे कर्मचारियों को परिचय दिया तो रेस्टोरेंट में हड़कंप मच गया। दुकान में कार्रवाई होते देख, मिठाई खरीदने और नाश्ता करने पहुंचे ग्राहकों और आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मिलन पर कार्रवाई के लिए पहुंची आयकर विभाग की टीम ने दुकान में उन सभी दस्तावेजों की पड़ताल की, जिसमें आय-व्यय का लेखाजोखा था। ग्राहकों द्वारा दुकान में नकद और ऑनलाइन किए जा रहे भुगतान पर जारी किए गए बिलों का ऑनलाइन भुगतान के रिकार्ड से मिलान भी किया। आयकर टीम को कर चोरी एवं आय कम दिखाने के लिए दस्तावेजों में हेराफेरी की आशंका है।

एम्स भोपाल में किया सफल कॉर्निया प्रत्यारोपण

नेत्रदान से दो लोगों की जिंदगी में रोशनी होली के रंग देखे तो खुशी से छलके आंसू

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नेत्रदान की पहल ने एक बार फिर दो लोगों के जीवन में उजाला कर दिया। एम्स भोपाल में हॉस्पिटल कॉर्निया रिट्रीवल प्रोग्राम के तहत किए गए कॉर्निया प्रत्यारोपण से दो दृष्टिहीन मरीजों को नई दृष्टि मिली है।

एम्स के नेत्र बैंक और नेत्र रोग विभाग की विशेषज्ञ टीम ने अत्याधुनिक तकनीक की मदद से दोनों मरीजों का ऑपरेशन किया। उपचार के बाद दोनों फिर से देखने में सक्षम हो गए हैं, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद जगी है। पहली बार होली को रंगों को देखा तो खुशी का ठिकाना न रहा और उनके आंखों से आंसू छलकने लगे। दरअसल पहला मामला 51 वर्षीय मरीज का है, जिनकी आंख छह साल पहले गिटार के तार से लगी चोट के कारण गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई थी। इस दुर्घटना में उनकी आंख की पुतली नष्ट हो गई थी। पहले से ही एक आंख से कम दिखाई देने के कारण दूसरी आंख में चोट लगने के बाद उनका जीवन बेहद कठिन हो गया था। रोजमर्रा के कई कामों के लिए उन्हें दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग ने उनका सफल पुतली प्रत्यारोपण किया। ऑपरेशन के बाद उनकी दृष्टि में सुधार हुआ और इस वर्ष उन्होंने पहली बार अपने परिवार के साथ होली के रंग साफ-साफ देखे। यह पल उनके लिए बेहद भावुक और खुशी से भरा रहा। वहीं दूसरा मामला 63 वर्षीय मरीज का है, जो लंबे समय से दोनों आंखों की अंधता से पीड़ित थे। उनकी आंखों में सफेदी आने के कारण उन्हें लगभग दिखाई देना बंद हो गया था। नेत्रदान के माध्यम से उन्हें कॉर्निया प्रत्यारोपण का अवसर मिला। एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने सफल ऑपरेशन कर उनकी आंखों में कॉर्निया प्रत्यारोपित किया, जिसके बाद उन्हें फिर से देखने की क्षमता मिल गई। डॉक्टरों का कहना है कि नेत्रदान सबसे बड़ा मानवतावादी दान माना जाता है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो लोगों को नई दृष्टि मिल सकती है। एम्स भोपाल समय-समय पर नेत्रदान को लेकर जागरूकता अभियान भी चलाता है।

मेट्रो एंकर

रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप परिसर में रंग-श्रुति माधव महोत्सव आयोजित

दर्शकों को 'एक टूटी हुई कुर्सी' ने किया आत्ममंथन के लिए विवश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रंगश्री लिटिल बैले ट्रूप परिसर में आयोजित रंग-श्रुति माधव महोत्सव में रंगमंचीय अभिव्यक्ति और विचारोत्तेजक प्रस्तुति के नाम रही। इस अवसर पर दूसरी प्रस्तुति के रूप में नाटक 'एक टूटी हुई कुर्सी' का मंचन किया गया, जिसने अपने गहन प्रतीकात्मक कथ्य और प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से दर्शकों को लंबे समय तक सोचने के लिए विवश कर दिया। मूल रूप से इस्माइल चुनारा द्वारा लिखित इस नाटक का हिन्दी अनुवाद उमा झुनझुनवाला ने किया है।

स्व. जावेद जैदी के निर्देशन में तैयार इस नाट्य प्रस्तुति का पुनर्संयोजन विभा श्रीवास्तव ने किया। नाटक की संरचना और प्रस्तुति में सामाजिक यथार्थ और मानवीय अंतर्द्वंद्व को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ उकेरा गया है। नाटक का केंद्रीय प्रतीक एक साधारण-सी टूटी

हुई कुर्सी है, जो केवल एक वस्तु नहीं बल्कि टूटे हुए संबंधों, बिखरे विश्वास और अस्थिर सामाजिक पहचान का रूपक बनकर सामने आती है। कथा ऐसे समाज की पृष्ठभूमि में रची गई है जो अपार्थाइडोत्तर संक्रमण से गुजर रहा है। पात्र अपने अतीत की हिंसा, अपराधबोध और असमानताओं से जूझते हुए वर्तमान में संवाद और सहअस्तित्व की राह खोजने का प्रयास करते हैं। मंच पर निधि दीवान, अंशपायन सिन्हा और हरीश वर्मा ने अपने सशक्त अभिनय से पात्रों के मनोवैज्ञानिक संघर्ष को जीवंत बना दिया। संवाद तीखे, यथार्थपरक और अंतर्द्वंद्व से भरे हुए थे, जिनके माध्यम से सत्ता, स्मृति और सामाजिक विघटन जैसे गहरे प्रश्न उठाए गए। छोटे-छोटे प्रसंगों के जरिए नाटककार ने बड़े राजनीतिक और मानवीय मुद्दों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। नाटक का मंच संयोजन भी उल्लेखनीय रहा। मंच सज्जा में अक्षत सिंह, संगीत संचयन में दिनेश नायर तथा प्रकाश परिकल्पना में शीला चौरागड़े का कार्य प्रस्तुति को प्रभावी बनाने में सहायक रहा। रूप सज्जा और वस्त्र विन्यास में विप्रा श्रीवास्तव और वैष्णवी कनाठे का योगदान भी सराहनीय रहा। मंच व्यवस्थापन में विकास श्रीवास्तव और धर्मेन्द्र पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समग्रतः 'एक टूटी हुई कुर्सी' केवल एक नाट्य प्रस्तुति नहीं, बल्कि समाज की आंतरिक दरारों और मनुष्यता के पुनर्निर्माण की संभावना पर गंभीर विचार करने का अवसर प्रदान करती है।

महिला दिवस पर नारी शक्ति का सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर अशोक नगर जिले के करीला धाम में विभिन्न विकास कार्यों के भूमि-पूजन और लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नारी शक्ति का पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया।

इंदौर जिला न्यायालय, 48 सेशन कोर्ट का बोझ सिर्फ 11 एजीपी पर

इंदौर। आपराधिक मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक सेशन कोर्ट-एक एजीपी का फार्मूला महीनों पहले स्वीकृत हो चुका है, लेकिन यह व्यवस्था अब तक लागू नहीं हो सकी है। इंदौर जिले में 48 सेशन कोर्ट होने के बावजूद अभियोजन की ओर से पैरवी करने के लिए सिर्फ 11 अतिरिक्त लोक अभियोजक (एजीपी) ही पदस्थ हैं। ऐसे में एक एजीपी को तीन से चार सेशन कोर्ट का काम संभालना पड़ रहा है, जिससे गंभीर मामलों की सुनवाई प्रभावित हो रही है। इंदौर जिले में कुल 48 सेशन कोर्ट हैं। इनमें से 40 इंदौर जिला न्यायालय में, पांच आंबेडकर नगर (महू) में, दो सांवेर में और एक देपालपुर में संचालित हैं। करीब आठ महीने पहले शासन ने प्रत्येक सेशन कोर्ट में अलग-अलग एजीपी नियुक्त करने की व्यवस्था को मंजूरी दी थी, लेकिन इसे अभी तक लागू नहीं किया जा सका है।

कई कोर्ट में एजीपी ही नहीं

इंदौर जिला न्यायालय के 40 सेशन कोर्ट में फिलहाल सिर्फ 10 एजीपी काम कर रहे हैं। वहीं आंबेडकर नगर (महू) में एक एजीपी पदस्थ हैं। देपालपुर और सांवेर न्यायालय में अभियोजन की ओर से पैरवी के लिए कोई एजीपी नहीं है। इन स्थानों पर एडीपीओ को ही अभियोजन पक्ष रखना पड़ रहा है। सेशन कोर्ट में हत्या, हत्या के प्रयास और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई होती है। इन मामलों में सुनवाई अक्सर लंबी चलती है। मौजूदा व्यवस्था में एक एजीपी के पास औसतन चार कोर्ट की जिम्मेदारी है।

प्रदेश के 395 निकायों के अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा

पार्षदों से चुने गए दो अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य, राज्य सरकार ने नहीं किया था नोटिफिकेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की नगर पालिका और नगर परिषदों के अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित होने का खतरा है। ये अध्यक्ष वर्ष 2022 और उसके बाद हुए चुनाव के बाद चुने गए थे और सरकार ने इनके निर्वाचन का नोटिफिकेशन नहीं किया था। अब तक 2 निकाय श्योपुर और पानसेमल के अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित कर दिए गए हैं। डबरा का मामला कोर्ट में है। हाईकोर्ट पहुंचे इन मामलों में सुनवाई के बाद कोर्ट ने ऐसे अध्यक्षों को विधिवत निर्वाचित नहीं माना है और इनके वित्तीय अधिकार सीएमओ या एसडीएम को सौंपने के आदेश दिए हैं।

आगे डबरा नगर पालिका समेत प्रदेश की 98 नगर पालिका और 297 नगर परिषद अध्यक्षों की कुर्सी पर खतरा मंडरा रहा है। कानून के जानकारों के मुताबिक जैसे-जैसे शिकायतें होगी, इनके अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य घोषित होते जाएंगे। बता दें, प्रदेश में कुल 99 नगर पालिका और 298 नगर परिषद हैं। दरअसल, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में निकाय चुनाव में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय और पंचायत चुनाव आनन-फानन करा दिए थे।

तब नगर निगमों के चुनाव तो सीधे जनता से कराए गए थे, लेकिन नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों को जनता के बजाय पार्षदों से चुन लिया गया। खास यह है कि चुनाव के बाद नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद के महापौर और पार्षद का बकायदा नोटिफिकेशन कर जीत-हार का ऐलान किया गया था। जबकि नगर पालिका और नगर परिषद के पार्षदों से चुने गए अध्यक्षों का नोटिफिकेशन राज्य सरकार के नगरीय विकास और आवास विभाग ने नहीं किया था।

इंदौर जिले के पानसेमल अध्यक्ष पद से हुआ खुलासा

हाईकोर्ट के अधिवक्ता ब्रह्ममूर्ति तिवारी बताते हैं कि नगर परिषद और नगर पालिका अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार शून्य किए जाने की शुरुआत इंदौर की पानसेमल नगर परिषद के अध्यक्ष पद के विवाद से शुरू हुई। यहां के अध्यक्ष के खिलाफ विरोधी पार्षद ने जिला न्यायालय के एडीजे कोर्ट में शिकायत की थी। कोर्ट ने सरकार से जानकारी मांगी तो सरकार सही जवाब नहीं दे पाई। इस पर एडीजे कोर्ट ने आदेश दिया कि नगर परिषद अध्यक्ष के वित्तीय अधिकार शासन का नोटिफिकेशन नहीं होने से मौजूद नहीं हैं। इसके विरोध में हाईकोर्ट में अपील की गई तो वहां से भी नगरीय विकास विभाग से जवाब मांगा गया। जवाब नहीं दिया गया, क्योंकि सरकार ने नोटिफिकेशन ही नहीं किया था। इस पर एडीजे कोर्ट का आदेश सही ठहराया गया।

श्योपुर नगर पालिका अध्यक्ष को काम करने से रोका

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने श्योपुर नगर पालिका अध्यक्ष से जुड़े मामले में राज्य सरकार की रिट अपील को खारिज करने का आदेश न्यायमूर्ति आनंद पाठक और न्यायमूर्ति पुष्पेंद्र यादव की डिवीजन बेंच ने सुनाया है। यह प्रकरण श्योपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पद के चुनाव से जुड़ा है। इस पद के चुनाव को चुनौती देते हुए एक व्यक्ति सुमेर सिंह ने जिला न्यायालय में चुनाव याचिका दायर की थी। सुनवाई के दौरान सिंगल बेंच ने अंतरिम आदेश देते हुए नगर पालिका अध्यक्ष रेणु गर्ग को अध्यक्ष के रूप में कार्य करने से रोक दिया था। इस आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच में रिट अपील दायर की थी। राज्य की ओर से दलील दी गई कि सिंगल जज का दिया आदेश गलत है। अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए राजपत्र (गजट) में अलग से अधिसूचना जरूरी नहीं है। वहीं, याचिकाकर्ता पक्ष ने तर्क दिया कि बिना गजट अधिसूचना के किसी उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित नहीं किया जा सकता और ऐसे में अध्यक्ष के रूप में कार्य करना नियमों के विपरीत है।

डबरा नगर पालिका अध्यक्ष से पूछा नियुक्ति का आधार | ग्वालियर जिले की डबरा नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी बाई के पद के मामले में हाईकोर्ट की ग्वालियर बेंच नोटिस जारी कर चुकी है। इस पूरे मामले की वजह एक सूचना का अधिकार आवेदन है। याचिकाकर्ता सत्येंद्र कुमार दुबे ने दिसंबर 2025 में प्रशासन से पूछा था कि क्या नगर पालिका अध्यक्ष के निर्वाचन या पद ग्रहण को लेकर कोई शासकीय अधिसूचना जारी की गई है। जवाब में 5 जनवरी 2026 को नगर पालिका परिषद ने लिखित में बताया कि उनके रिकॉर्ड में ऐसी किसी भी अधिसूचना का कोई दस्तावेज या प्रमाणित प्रति मौजूद नहीं है। इसके बाद याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर दी।

अध्यक्षों के सीधे नहीं कराए चुनाव

नगरीय विकास और आवास विभाग के अफसरों के अनुसार- यह स्थिति इसलिए बनी है क्योंकि 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनावों के दौरान नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष के पद का चुनाव सीधे नहीं कराया गया। यह सभी चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से हुए यानी पार्षदों ने नगर परिषद और नगर पालिका अध्यक्षों को चुना। इसका कोई नोटिफिकेशन राज्य शासन या राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से नहीं किया गया। इसकी वजह शासन का फैसला था जिसमें चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से होना था। हालांकि जिन पार्षदों ने नगर परिषद और नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव किया वे सभी निर्वाचित हैं और उनका पार्षद पद का नोटिफिकेशन हुआ है। इसी के चलते कई निकायों के मामले में कोर्ट ने शिकायतों के बाद नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों के निर्वाचन को नोटिफाई नहीं होने के कारण इस पद को धारण करने वालों के वित्तीय अधिकार शून्य बताए हैं। अफसरों के अनुसार अब यह गलती सुधार ली गई है और आगामी 2027 के चुनावों में फिर से नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्ष के चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली यानी जनता के माध्यम से होंगे और उसका नोटिफिकेशन होगा।

2027 में होना है चुनाव

नपा, ननि और नप के पार्षद, अध्यक्ष और नगर निगम महापौर पद के लिए अब आगामी चुनाव 2027 में होना है। अब जबकि करीब सवा साल से अधिक समय चुनाव के लिए बचा है तो 2022 में हुए चुनाव में जीतने वाले नगर पालिका और नगर परिषद अध्यक्षों को वित्तीय अधिकारहीन बताने के लिए विरोधी पक्ष कोर्ट की शरण तेजी से ले रहे हैं।

मेडिकल कॉलेजों में 8 हजार डॉक्टरों की हड़ताल शुरू

ना ओपीडी में मरीजों का इलाज और ना ही कोई सामान्य ऑपरेशन करेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लंबित स्टाइपेंड संशोधन को लेकर जूनियर डॉक्टरों की आज सुबह 9 बजे से हड़ताल शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में कार्यरत रेजिडेंट डॉक्टरों लंबित स्टाइपेंड संशोधन को लेकर अपना विरोध जता रहे हैं। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन का कहना है कि जब तक उनकी मांगे नहीं मानी जाती हैं तब तक वे ओपीडी में सेवाएं नहीं देंगे। ऐसे में ओपीडी में आने वाले मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। JDA ने यह भी साफ किया कि ऑपरेशन थिएटर में भी सिर्फ अति गंभीर मरीज होने पर ही सेवा देंगे। यानी प्रदेश भर के मेडिकल कॉलेजों में हर्निया, रॉड इंप्लांट जैसे सामान्य ऑपरेशन टल सकते हैं। इसका सीधा असर इन बीमारियों से पीड़ित मरीजों पर पड़ेगा। अप्रैल 2025 से मिलना था नया स्टाइपेंड, अब तक पेंडिंग जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अनुसार, सीपीआई आधारित स्टाइपेंड संशोधन शासन के आदेश के अनुसार एक अप्रैल 2025 से लागू होना था। यह अब तक लागू नहीं किया है। कई बार निवेदन के बावजूद इस दिशा में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है।

इससे डॉक्टरों में नाराजगी बढ़ती जा

आदेश के बावजूद संशोधन नहीं

जेडीए से डॉ. ब्रिजेंद्र ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन के 7 जून 2021 के आदेश अनुसार, सीपीआई आधारित स्टाइपेंड संशोधन एक अप्रैल 2025 से लागू होना था। इसके बावजूद अब तक न तो संशोधित स्टाइपेंड लागू किया गया है और न ही अप्रैल 2025 से देय एरियर का भुगतान किया है। डॉक्टरों का कहना है कि इस संबंध में कई बार शासन और संबंधित विभागों को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

एचओडी और डीन को सौंपा ज्ञापन

JDA से डॉ. ब्रिजेंद्र ने कहा, प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों को डीन और सभी विभागों के एचओडी (हेड ऑफ डिपार्टमेंट) को पत्र सौंप दिए गए हैं। जिसमें स्पष्ट किया गया है कि सुबह 9 बजे से सभी रेजिडेंट डॉक्टर, सीनियर रेजिडेंट और इंटर्न हड़ताल पर बैठेंगे। आपातकालीन सेवाएं पहले की तरह जारी रहेंगी, ताकि गंभीर मरीजों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके अलावा ओपीडी समेत सभी इलेक्टिव सर्विसेज का बहिष्कार करेंगे।

वन अमले को मिलेंगे शस्त्र चलाने के अधिकार

अब बिना जांच सीधे कार्रवाई नहीं; बदलेगा सुरक्षा का तरीका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में वन क्षेत्र में बढ़ते अपराधों को देखते हुए राज्य सरकार वन अमले को शस्त्र चलाने का अधिकार देने की तैयारी कर रही है। इस संबंध में पूर्व वन बल प्रमुख वीएन अम्बाड़े ने सेवानिवृत्ति से पहले प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था, जिस पर विभागीय स्तर पर विचार किया जा रहा है। प्रस्ताव में यह प्रावधान भी रखा गया है कि शस्त्र चलाने की स्थिति में वन कर्मियों पर बिना जांच सीधे कार्रवाई नहीं की जाएगी।

दरअसल, प्रदेश के वन क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। अगस्त 2022 में सिरोंज के लटेरी के जंगल में संदिग्ध रूप से घूम रहे लोगों पर वन अमले ने फायरिंग की थी, जिसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी। बाद में जांच आयोग ने वन अमले की कार्रवाई को उचित और आवश्यक बताया था। वहीं बुरहानपुर जिले में अपराधियों द्वारा वन चौकी से 17 बंदूकें और कारतूस लूटे जाने की घटना के बाद वन विभाग ने वर्ष 2023 में बंदूक चलाने और उनके रखरखाव के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की थी, लेकिन अब तक इसका पालन नहीं हो सका है।

एसओपी में ये प्रावधान-

एसओपी के अनुसार अति आवश्यक परिस्थिति में वन अमले को बंदूक चलाने का अधिकार दिया जाएगा। साथ ही शस्त्रागार वाली प्रत्येक वन चौकी का हर तीन महीने में निरीक्षण किया जाएगा। ड्यूटी समाप्त होने के बाद बंदूकें शस्त्रागार में जमा करनी होंगी और तीन वर्ष पुरानी कारतूसों का उपयोग फील्ड में किया जाएगा।

गश्ती दल को ही मिलेंगी बंदूकें

नए प्रावधान के तहत केवल उन्हीं वनकर्मियों को शस्त्र दिए जाएंगे, जो उन्हें चलाने में दक्ष होंगे। गश्ती दल प्रभारी और सहयोगी वनरक्षकों को भी शस्त्र आवंटित किए जाएंगे। गश्त के दौरान वनकर्मी बॉडीवॉर्न कैमरा का उपयोग करेंगे। गश्त के समय प्रत्येक बंदूक के साथ 20 कारतूस दिए जाएंगे और गश्त से लौटने के बाद हथियारों को स्ट्रांग रूम में जमा करना होगा। जिन वन चौकियों में स्ट्रांग रूम है, वहां अधिकतम 10 बंदूकें रखी जा सकेंगी, जबकि बाकी हथियार और गोला-बारूद जिला शस्त्रागार में सुरक्षित रखे जाएंगे।

प्रदेश में उड़द की खेती को किया जा रहा है प्रोत्साहित : कृषि मंत्री

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ किसानों के साथ खड़ी है और उनके हितों की रक्षा के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश में उड़द की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा उड़द खरीदी पर 600 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की गई है। किसानों से अपील है कि वे अधिक से अधिक उड़द की खेती करें, ताकि उन्हें इस बोनस का लाभ मिले और अगली फसल की तैयारी भी समय पर हो सके। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इस वर्ष गेहूं खरीदी पर किसानों को 40 रुपए प्रति क्विंटल बोनस प्रदान किया जाएगा।

पटवारी के आवास पर होली मिलन में जुटे दिग्विजय समेत सैकड़ों नेता-कार्यकर्ता

रंगपंचमी पर मप्र कांग्रेस का सियासी रंग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रंगपंचमी के मौके पर राजधानी भोपाल में कांग्रेस का होली मिलन समारोह सियासी रंग में नजर आया। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के भोपाल स्थित आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे। सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर रंगपंचमी और होली की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्सव और जोश का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और रंग-गुलाल के

साथ अपने नेताओं का स्वागत किया। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को रंग लगाते हुए भाईचारे और सौहार्द का संदेश दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा भी जीतू पटवारी के आवास पहुंचे और उन्हें रंगपंचमी की बधाई दी। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि रंगों का यह पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव और एकता का संदेश देता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी को होली और रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं। होली मिलन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच अनौपचारिक चर्चा भी हुई। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने और जनता के मुद्दों को लेकर सक्रिय रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शहर और प्रदेश स्तर के कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर रमजान में मांग बढ़ती थी लेकिन इस बार दाम आधे, चावल पर भी संकट

ईरान-इजराइल की लड़ाई में सड़ रहा एमपी का केला

बड़वानी/भोपाल, दोपहर मेट्रो

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग का असर अब मध्य प्रदेश के एग्रो प्रोडक्ट पर पड़ने लगा है। युद्ध के बीच ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट बंद कर दिया है। इसी रास्ते से दुनिया के कई देशों के सामान मिडिल ईस्ट के देशों में पहुंचते हैं। इनमें भारत भी शामिल है। भारत के कई प्रोडक्ट मुंबई बंदरगाह पर निर्यात के इंतजार में हैं, इनमें मध्य प्रदेश का केला भी है। ऐसे हालात में केला उत्पादक किसान और व्यापारी चिंता में हैं। भाव सही न मिलने से खेतों में ही केला सड़ने की नौबत आ गई है। 2200 रुपए प्रति क्विंटल में बिक रहे केले के भाव अचानक 1200 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए हैं। सबसे ज्यादा

प्रभावित बड़वानी, बुरहानपुर, धार और खरगोन के किसान-व्यापारी हो रहे हैं। वहीं, चावल के कारोबार से जुड़े लोगों ने बताया कि फिलहाल मुंबई पोर्ट पर माल नहीं फंसा है, लेकिन नए ऑर्डर कैंसिल हो रहे हैं। अचानक निर्यात ठप होने से किसान और व्यापारी कैसे संकट में आ गए हैं।

केला उत्पादक और निर्यातक संतोष लछेटा ने कहा- बड़वानी से केले का निर्यात वर्ष 2016 में शुरू हुआ था। पिछले साल जिले से करीब 1.6 लाख टन केला निर्यात किया गया, जो मुख्य रूप से समुद्री मार्ग से ईरान और दुबई भेजा गया। दुबई से यह केला सड़क मार्ग के जरिए कई अन्य देशों तक पहुंचता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जिले में करीब ढाई से तीन करोड़ केले के पौधे लगाए गए हैं। नर्मदा पट्टी क्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियों के कारण यहां सालभर केले की प्लांटिंग और हार्वेस्टिंग होती रहती है। लछेटा के अनुसार, युद्ध के कारण केले की कीमतों में गिरावट आई है। पहले जहां केले का भाव 2000 से 2200 रुपए प्रति क्विंटल मिल रहा था, वह अब घटकर 1200 से 1300 रुपए प्रति क्विंटल रह गया है। जो केला बंदरगाहों पर ईरान और अन्य देशों के लिए पैक होकर तैयार था, उसे खराब होने से बचाने के लिए दिल्ली के व्यापारियों को घाटे में बेचना पड़ रहा है।

किसान बोले- लागत भी नहीं निकाल पा रहे

किसान महेश राठौड़ और बलराम यादव ने बताया कि उन्होंने छह एकड़ जमीन पर केले की खेती की है। इस पर प्रति एकड़ करीब 90 हजार रुपए की लागत आई है। ये कुल मिलाकर पांच लाख रुपए से अधिक हो चुकी है। फसल तैयार होने के बावजूद बाजार में खरीदार नहीं मिल रहे हैं। कई किसानों को लागत से भी कम कीमत पर उपज बेचनी पड़ रही है। किसान नितिन यादव का कहना है कि सामान्य परिस्थितियों में जिले के कुल उत्पादन का लगभग आधा हिस्सा निर्यात हो जाता है। इससे किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं, लेकिन इस बार निर्यात बंद होने से किसानों और निर्यातकों दोनों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

संवैधानिक पदों का सम्मान जरूरी

अभी तक देश में प्रधानमंत्री और राज्यपालों के साथ राज्य सरकारों की तनातनी चलती थी, लेकिन पश्चिम बंगाल ने एक कदम और आगे बढ़ाकर राष्ट्रपति के साथ भी अनपेक्षित व्यवहार कर दिखाया है। राजनीतिक रूप से संभव है कि उनकी केंद्र की सरकार के साथ न बनती हो, किंतु उनके मन में देश के सर्वोच्च पद को लेकर आक्रोश आश्चर्यजनक है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु नौवें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी महकमा परिषद के फांसीदेवा क्षेत्र पहुंची थीं, जिसके लिए जगह काफी छोटी तय की गई थी। इसी के चलते माना गया कि बड़ी संख्या में संथाल समुदाय के लोग नहीं आ पाए। हालांकि राष्ट्रपति के एक अन्य कार्यक्रम के लिए उपलब्ध कराया गया मैदान काफी बड़ा था और यहां लाखों लोग आ सकते थे। आम तौर पर राष्ट्रपति के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और डीजीपी की मौजूदगी अपेक्षित होती है। वहां स्वागत और विदाई केवल सिलीगुड़ी के मेयर ने की। कथित रूप से प्रोटोकॉल में हुई लापरवाही को लेकर केंद्र सरकार ने कड़ा रुख अपना लिया है और राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान प्रोटोकॉल, कार्यक्रम स्थल, यात्रा मार्ग और अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े सभी पहलू पूर्व निर्धारित होते हैं। उनका पूर्व अभ्यास तक किया जाता है, लेकिन ताजा मामले में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य सरकार कॉन्फ्रेंस की आयोजक नहीं थी और उन्हें कार्यक्रम, आयोजकों या 'फंडिंग' की कोई जानकारी नहीं थी। उनके अनुसार राष्ट्रपति जब राज्य में आती हैं या जाती हैं, तब उन्हें आधिकारिक सूचना मिलती है। उसके अनुसार वह सम्मान करती हैं। किंतु राष्ट्रपति उनके राज्य में 50 बार जाएंगी तो हर बार कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए संभव नहीं होगा। साल में एक बार आएंगी तो वह उनका स्वागत कर सकती हैं। चुनाव के समय में भी उनके कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होगा। यह स्पष्ट करता है कि राष्ट्रपति के साथ यह व्यवहार लापरवाही या गलती से नहीं हुआ, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से इसकी जानकारी मुख्यमंत्री को थी, जिस पर अब वह सफाई देकर स्वयं को पाक-साफ साबित करना चाहती हैं। यह लोकतांत्रिक परंपराओं में बेहद दु:खद स्थिति है। मगर देश के कुछ राज्यों में यह नई परिपाटी आरंभ कर संघीय व्यवस्था को चोट पहुंचाई जा रही है। राष्ट्रपति के पद का सम्मान दलीय मतभेदों से ऊपर है। यदि मुख्यमंत्री बनर्जी धरने पर बैठी थीं और राष्ट्रपति से उन्हें मिलने का अवसर मिल रहा था तो वह वहां भी अपनी शिकायत दर्ज कर सकती थीं। मगर उन्होंने अपमान करने का रास्ता चुना, जो निंदनीय है। पहले भी इस प्रकार की कई घटनाएं उनके नाम पर लिखी जा चुकी हैं। उम्मीद की जानी चाहिए पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें टकराव का मार्ग अपनाने से बचेंगी। वह संवैधानिक पदों की गरिमा को बनाए रखेंगी और कोई ऐसा कदम नहीं उठाएंगी, जिससे देश और समाज में गलत संदेश जाए। आखिर मान-सम्मान बांटने से ही बढ़ता है।

बिहार में अब असली चुनौती शराबबंदी की नीति और आर्थिक प्रगति के कदम

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

बीस वर्षों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद नीतीश कुमार के राष्ट्रीय राजनीति में आने पर बिहार के लिए असली राजनीतिक सामाजिक आर्थिक चुनौतियाँ क्या होंगी ? नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड और भाजपा की सरकार को कोई खतरा नहीं है । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ पिछले वर्षों में बने संबंध और नीतियों कार्यक्रमों पर आपसी सहमतियों के कारण नीतीश कुमार और उनके साथियों के लिए भविष्य में तालमेल का संकट आने के आसार बहुत कम हैं। सली चुनौती शराबबंदी की नीति को जारी रखने या बदलने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित रखते हुए तेजी से आर्थिक प्रगति के कार्यक्रमों और जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन होगी। अपराधों पर नियंत्रण के मुद्दे पर चर्चा अधिक होती है , लेकिन यह समस्या पड़ोसी राज्यों में कम नहीं है और हर घर मोहल्ले में पुलिस की पहरेदारी दुनिया के किसी सम्पन्न देश के शहर कस्बे में संभव नहीं है। हाँ यदि शीर्ष नेता भ्रष्ट नहीं होंगे , तो प्रशासन और पुलिस के भ्रष्टाचार और अत्याचार या अपराध बहुत हद तक नियंत्रित हो सकते हैं। नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की सफलताओं में भी बड़ा कारण यही रहा और रहेगा। नीतीश के राष्ट्रीय राजनीति में रहने से बिहार पर उनकी पकड़ कम नहीं हो सकती है। मोदी , शरद पवार , चरण सिंह जैसे कई नेता राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका में पहुंचे लेकिन अपने प्रदेशों में उनका राजनीतिक वर्चस्व कम नहीं हुआ।

नीतीश कुमार द्वारा बिहार में लागू की गई शराबबंदी नीति पिछले एक दशक में भारत की सबसे चर्चित सामाजिक-राजनीतिक नीतियों में से एक रही है। अप्रैल 2016 में लागू इस नीति का उद्देश्य केवल शराब की बिक्री रोकना नहीं था, बल्कि समाज में व्याप्त कई समस्याओं–जैसे घरेलू हिंसा, गरीबी, अपराध और सामाजिक विघटन–को कम करना भी था।इस नीति के लागू होने के बाद जहां कई सामाजिक सकारात्मक परिणाम सामने आए, वहीं इसके साथ कई गंभीर चुनौतियां और विवाद भी जुड़े रहे। आज बिहार की शराबबंदी नीति को एक बड़े सामाजिक प्रयोग के रूप में देखा जाता है, जिसकी सफलता और सीमाओं दोनों पर लगातार बहस होती रही है। 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान महिलाओं के बीच शराब के खिलाफ मजबूत जनभावना उभरकर सामने आई। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने खुले तौर पर शिकायत की कि शराब के कारण परिवार की आय नष्ट हो रही है और घरेलू हिंसा बढ़ रही है। इसी सामाजिक दबाव और राजनीतिक वादे के आधार पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सत्ता में लौटने के बाद 5 अप्रैल 2016 को राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू कर दी।इसके लिए बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2016 बनाया गया, जिसके तहत राज्य में शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण, परिवहन और सेवन को अपराध घोषित किया गया।

शराबबंदी लागू करने के पीछे सरकार के कई सामाजिक उद्देश्य थे। गरीब परिवारों की आय को शराब में खर्च होने से बचाना, महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसा को कम करना , समाज में अपराध की घटनाओं को घटाना , जनस्वास्थ्य में सुधार लाना, सामाजिक वातावरण को अधिक अनुशासित बनाना। सरकार का तर्क था कि शराब से होने वाली सामाजिक क्षति, उससे मिलने वाले कर राजस्व से कहीं अधिक बड़ी है।शराबबंदी के बाद सबसे अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया महिलाओं की ओर से आई। बिहार के अनेक गांवों में महिलाओं ने कहा कि अब पति शराब पीकर घर नहीं आते , परिवार की आय बचने लगी , घरेलू झगड़े कम हुए , महिला स्वयं सहायता समूहों ने भी शराबबंदी को लागू कराने में सक्रिय भूमिका निभाई।शराबबंदी से पहले बड़ी संख्या में मजदूर वर्ग की आय का महत्वपूर्ण हिस्सा शराब पर खर्च हो जाता था। प्रतिबंध के बाद कई परिवारों ने बताया कि अब बच्चों की पढ़ाई पर अधिक खर्च हो रहा है , घर की आवश्यकताओं पर पैसा लग रहा है , सामान्य परिवारों में बचत भी बढ़ी है , सार्वजनिक जीवन में बदलाव शराब की खुली बिक्री बंद होने के का गांवों और कस्बों में शराब की दुकानें समाप्त हो गईं , सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने की घटनाएं कम हुईं , सड़क पर नशे में झगड़े और उत्पात की घटनाएं कम दिखाई देने लगीं7शराबबंदी नीति ने महिलाओं के बीच नीतीश कुमार की लोकप्रियता को काफी बढ़ाया। बिहार की राजनीति में महिला मतदाताओं का समर्थन एक महत्वपूर्ण कारक बन गया।

हालांकि शराबबंदी से सामाजिक लाभ की चर्चा होती है, लेकिन इसके आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण रहे हैं। शराबबंदी लागू होने से पहले बिहार सरकार को शराब से लगभग 4 से 5 हजार करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व प्राप्त होता था। शराबबंदी के बाद यह आय लगभग समाप्त हो गई। राज्य सरकार को इस नुकसान की भरपाई अन्य करों और केंद्रीय सहायता के माध्यम से करनी पड़ी।शराबबंदी की सबसे बड़ी चुनौती अवैध शराब तस्करी है। बिहार की सीमाएं कई राज्यों से लगती हैं, जिनमें प्रमुख हैं - उत्तर प्रदेश , झारखंड और पश्चिम बंगाल। यही नहीं सीमा पार सूर्य अस्त , नेपाल मस्त कहलाने वाला क्षेत्र भी प्रभावित करता है। पड़ोसी राज्यों से शराब की तस्करी लगातार होती रही है। कई जिलों में अवैध शराब के नेटवर्क सक्रिय पाए गए। यह भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि अवैध शराब की महंगी बोतलों की खपत समाज के प्रभावशाली सम्पन्न वर्ग , नेता और अधिकारियों के खास वर्ग में होती है। पाखंड यह है कि उसी वर्ग के लोग शराबबंदी नीति और सरकार को अधिक कोसते हैं। शराबबंदी के बाद बिहार में जहरीली शराब से मौतों की घटनाएं भी सामने आईं। इनमें सबसे चर्चित घटना 2022 में हुई, जब जहरीली शराब पीने से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई।

यह बात अलग है कि कुछ अन्य राज्यों में शराबबंदी न होते हुए भी जहरीली शराब से मौतें हुई हैं। इन घटनाओं ने शराबबंदी नीति की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े किए। शराबबंदी कानून के तहत बड़ी संख्या में लोगों को गिरफ्तार किया गया।हजारों मामले अदालतों में पहुंचे ,जेलों में भीड़ बढ़ गई। कई मामलों में गरीब मजदूर या छोटे अपराधी भी कानून के शिकंजे में आ गए। बाद में सरकार को कानून में संशोधन करके कुछ प्रावधानों को नरम करना पड़ा।विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया कि शराबबंदी के कारणः पुलिस और प्रशासन में भ्रष्टाचार बढ़ा ,अवैध शराब के कारोबार में संरक्षण मिलने लगा , निर्दोष लोगों को भी कभी-कभी परेशान किया गया। हालांकि सरकार ने इन आरोपों को पूरी तरह स्वीकार नहीं किया।

देश में में शराबबंदी का कानून पहले भी लागू हुआ है। सबसे बड़ा उदाहरण गुजरात है , जहाँ लंबे समय से शराबबंदी लागू है। हरियाणा में शराबबंदी का प्रयोग बहुत कम समय के लिए हुआ। 1996 में मुख्यमंत्री बंसीलाल ने राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू की। यह उनकी पार्टी का संकल्प था। लेकिन यह नीति लगभग 21 महीने ही चल सकी। 1998 में सरकार ने इसे वापस ले लिया। शराबबंदी हटाने के पीछे कई कारण बताए गए। राज्य को आबकारी राजस्व में भारी नुकसान, पड़ोसी राज्यों से शराब की तस्करी , अवैध शराब का बढ़ता कारोबार और प्रशासनिक कठिनाइयाँ। इस अनुभव के बाद हरियाणा में फिर कभी पूर्ण शराबबंदी लागू करने का गंभीर प्रयास नहीं हुआ।कई अन्य राज्यों ने भी शराबबंदी का प्रयोग किया, लेकिन अधिकतर जगह यह लंबे समय तक नहीं टिक सकी।आंध्र प्रदेश में एन टी रामा राव ने शराबबंदी लागू की थी। महिलाओं के आंदोलन के कारण यह फैसला लिया गया था। लेकिन कुछ वर्षों बाद राजस्व नुकसान और प्रशासनिक कठिनाइयों के कारण इसे समाप्त कर दिया गया। तमिलनाडु में शराबबंदी कई बार लागू और समाप्त हुई। 1937 में सी राजगोपालचारी के समय इसकी शुरुआत हुई थी। बाद में विभिन्न सरकारों ने इसे बदलते राजनीतिक और आर्थिक कारणों से हटाया या लागू किया। नागालैंड और मिजोरम में भी शराबबंदी लागू की गई थी। लेकिन व्यवहार में अवैध बिक्री और तस्करी के कारण इन राज्यों को भी कई बार नीति में बदलाव करना पड़ा।इससे यह स्पष्ट होता है कि शराबबंदी केवल कानून बनाने से सफल नहीं होती, बल्कि इसके लिए सामाजिक समर्थन, प्रशासनिक क्षमता और आर्थिक संतुलन भी आवश्यक है। शराबबंदी पर बहस आगे भी जारी रहेगी क्योंकि यह केवल आर्थिक नीति नहीं बल्कि समाज और राजनीति से जुड़ा संवेदनशील विषय है।

शराबबंदी कानून को लेकर आलोचनाओं के बाद बिहार सरकार ने कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किए: पहली बार पकड़े गए लोगों के लिए सजा में नरमी , छोटे अपराधियों के बजाय बड़े तस्करी नेटवर्क पर ध्यान ,शराब विरोधी जनजागरण अभियान ,नशामुक्ति कार्यक्रमों को बढ़ावा। इन कदमों का उद्देश्य कानून को अधिक व्यावहारिक बनाना था।बिहार की शराबबंदी नीति को एक सामाजिक सुधार के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। उपलब्धियां -महिलाओं में संतोष और समर्थन , कई परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार , खुले रूप से शराब पीने की प्रवृत्ति में कमी चुनौतियां अवैध शराब का कारोबार ,जहरीली शराब की घटनाएं . प्रशासनिक और न्यायिक दबाव , राजस्व की कमी7 मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शराबबंदी नीति भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रयोग है। इस नीति ने यह दिखाया कि सरकार यदि सामाजिक सुधार के उद्देश्य से कठोर कदम उठाती है तो उसे जनता का समर्थन मिल सकता है, लेकिन साथ ही प्रशासनिक चुनौतियां भी सामने आती हैं। भविष्य में इस नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि सरकार अवैध शराब के नेटवर्क पर कितना नियंत्रण कर पाती है और समाज में नशामुक्ति की संस्कृति को कितना मजबूत बना पाती है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की राजनीति और अर्थव्यवस्था में पिछले लगभग दो दशकों में महत्वपूर्ण परिवर्तन देखने को मिले हैं। वर्ष 2005 में जब नीतीश कुमार पहली बार मुख्यमंत्री बने, तब बिहार को देश के सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता था। कमजोर बुनियादी ढांचा, उद्योगों का अभाव, पलायन, खराब कानून व्यवस्था और बेहद कम निवेश राज्य की पहचान बन चुके थे।इन परिस्थितियों में नीतीश सरकार ने शासन, आधारभूत संरचना और सामाजिक योजनाओं पर जोर देते हुए राज्य को विकास की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया। हालांकि बिहार आज भी औद्योगिक दृष्टि से अग्रणी राज्यों में शामिल नहीं है, लेकिन कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति भी दर्ज की गई है। 2005 से पहले बिहार की अर्थव्यवस्था कई गंभीर समस्याओं से घिरी हुई थी।राज्य में बड़े उद्योग लगभग समाप्त हो चुके थे।

बुनियादी ढांचा जैसे सड़क, बिजली और परिवहन बेहद कमजोर था।कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने से निवेशक राज्य से दूर रहते थे।बड़े पैमाने पर युवाओं का पलायन अन्य राज्यों की ओर होता था।2005 के बाद नीतीश कुमार सरकार ने विकास के लिए कुछ प्रमुख रणनीतियां अपनाईं:बुनियादी ढांचे का विस्तार ,कानून व्यवस्था में सुधार , शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश ,औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन ,कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा। इन नीतियों के परिणामस्वरूप बिहार में आर्थिक गतिविधियों में धीरे-धीरे वृद्धि होने लगी।नीतीश शासन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में सड़क और पुल निर्माण को माना जाता है।राज्य में हजारों किलोमीटर नई सड़कों का निर्माण किया गया और कई प्रमुख पुल बनाए गए। इससे गांवों और शहरों के बीच संपर्क बेहतर हुआ और व्यापारिक गतिविधियों को गति मिली।बिजली उत्पादन और वितरण में भी सुधार हुआ। पहले बिहार में बिजली की भारी कमी रहती थी, लेकिन पिछले वर्षों में बिजली आपूर्ति की स्थिति काफी बेहतर हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों तक बिजली पहुंचने से छोटे उद्योगों और व्यापार को भी लाभ मिला।

नीतीश सरकार ने उद्योगों को आकर्षित करने के लिए कई नीतियां लागू कीं। बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत उद्योगों को कई प्रकार की सुविधाएं दी गई, जैसेः कर में छूट ,भूमि उपलब्ध कराना , बिजली और बुनियादी ढांचा सहायता राज्य सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों और औद्योगिक पार्कों के विकास पर भी ध्यान दिया बिहार की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है। इसलिए सरकार ने कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई।राज्य में खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी और कृषि उत्पादों से जुड़े उद्योगों को प्रोत्साहन दिया गया। इस दिशा में डेयरी क्षेत्र में विशेष प्रगति हुई। राज्य की सहकारी संस्था सुधा डेयरी ने दूध उत्पादन और विपणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज बिहार में डेयरी उद्योग लाखों किसानों के लिए आय का स्रोत बन चुका है।बिहार में बड़े उद्योगों की संख्या सीमित होने के कारण लघु मध्यम क्षेत्र के उद्योगों का महत्व अधिक है। नीतीश सरकार ने छोटे उद्योगों और स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं। इनमें प्रमुख है। इस योजना के तहत युवाओं को उद्योग शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है।इसके परिणामस्वरूप राज्य में हजारों छोटे उद्योग स्थापित हुए हैं, जिनसे स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़े हैं। बिहार की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र की भूमिका लगातार बढ़ रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, व्यापार और संचार सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ पिछले दो दशकों में बिहार की आर्थिक विकास दर कई वर्षों तक राष्ट्रीय औसत से अधिक रही। कई आर्थिक अध्ययनों के अनुसार 2005 के बाद बिहार की वृद्धि दर कई वर्षों में 10 प्रतिशत के आसपास भी पहुंची। यह वृद्धि मुख्य रूप से निर्माण, सेवा क्षेत्र और सरकारी खर्च के कारण हुई। न पिछले वर्षों में इसमें लगातार सुधार हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली और सरकारी योजनाओं के कारण आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं।

बिहार की अर्थव्यवस्था में प्रवासी मजदूरों की कमाई भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।राज्य के लाखों लोग कई अन्य राज्यों में काम करके घर पैसा भेजते हैं। वहां से भेजा गया पैसा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। अभी भी बड़े उद्योग बहुत कम हैं। भारी उद्योग और विनिर्माण क्षेत्र का विकास सीमित रहा है।विकास के लिए कुशल श्रमिकों की आवश्यकता होती है, लेकिन बिहार में कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था अभी भी पर्याप्त नहीं है। बिहार में औद्योगिक विकास के लिए कई संभावनाएं भी मौजूद हैं। कृषि आधारित उद्योगों का विस्तार , खाद्य प्रसंस्करण उद्योग , पर्यटन क्षेत्र का विकास , आईटी और सेवा क्षेत्र में निवेश। यदि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से निवेश किया जाए तो बिहार आर्थिक रूप से और मजबूत हो सकता है।

बिहार की राजनीति में पिछले तीन दशकों में दो प्रमुख राजनीतिक दौर रहे हैं–एक दौर लालू प्रसाद यादव और उनके सहयोगियों का रहा, जिसे आमतौर पर 'लालू राज' कहा जाता है, और दूसरा दौर नीतीश कुमार के नेतृत्व का है, जिसे 'नीतीश राज' के रूप में देखा जाता है।इन दोनों दौरों की तुलना अक्सर कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, प्रशासनिक सुधार और विकास के आधार पर की जाती है। बिहार की जनता, राजनीतिक विश्लेषक और मीडिया लंबे समय से इस बहस को आगे बढ़ाते रहे हैं कि इन दोनों शासनकालों में राज्य की स्थिति किस प्रकार बदली। 1990 से 2005 तक का समय अक्सर आलोचकों द्वारा 'जंगलराज' के रूप में वर्णित किया गया। इस दौरान राज्य में अपहरण, अपराध और प्रशासनिक शिथिलता के आरोप लगाए जाते रहे। लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में बिहार में अपराध की घटनाओं को लेकर व्यापक चर्चा होती रही। 1990 और 2000 के शुरुआती वर्षों में बिहार में अपहरण की घटनाएं काफी बढ़ गई थीं। कई उद्योगपतियों, व्यापारियों और डॉक्टरों के अपहरण की घटनाएं सामने आईं। इस कारण कई व्यापारियों और निवेशकों ने राज्य से दूरी बना ली आलोचकों का आरोप था कि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था और कई अपराधी स्वयं राजनीति में सक्रिय हो गए थे। इससे प्रशासन की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगा।उस समय पुलिस और प्रशासनिक तंत्र की कार्यक्षमता को लेकर भी सवाल उठते थे। कई मामलों में अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई धीमी मानी जाती थी।लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में सबसे चर्चित मामला चारा घोटाला रहा, जिसमें सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप लगे। इस मामले में बाद में न्यायालय द्वारा कार्रवाई भी हुई और वह जेल में भी रहे। यह मामला बिहार की राजनीति में लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहा।

2005 में जब नीतीश कुमार ने बिहार की सत्ता संभाली, तब उन्होंने सबसे पहले कानून-व्यवस्था सुधार को प्राथमिकता दी।उन्होंने प्रशासनिक सुधार, पुलिस व्यवस्था में बदलाव और तेज न्याय प्रक्रिया के माध्यम से अपराध नियंत्रण की रणनीति अपनाई।नीतीश सरकार के शुरुआती वर्षों में कानून-व्यवस्था में सुधार के कई प्रयास किए गए।सरकार ने अपराधियों के खिलाफ मामलों की तेज सुनवाई के लिए विशेष अदालतों की व्यवस्था की।इसके परिणामस्वरूप कई अपराधियों को सजा हुई और अपराध पर कुछ हद तक नियंत्रण स्थापित हुआ। 2005 के बाद बिहार में अपहरण की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।इससे राज्य की छवि में सुधार हुआ और व्यापारिक गतिविधियों को भी कुछ हद तक प्रोत्साहन मिला।पुलिस बल की संख्या बढ़ाई गई और आधुनिक तकनीक का उपयोग शुरू किया गया। इससे अपराध नियंत्रण की क्षमता में वृद्धि हुई नीतीश कुमार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ भी कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए। सरकार ने भ्रष्टाचार निरोधक इकाइयों को मजबूत किया और कई अधिकारियों की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई की गई। कुछ मामलों में भ्रष्ट अधिकारियों की संपत्ति को स्कूल या सार्वजनिक उपयोग के लिए परिवर्तित करने जैसे कदम भी उठाए गए, जो महत्वपूर्ण माने गए। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि बिहार जैसे राज्य में केवल नीतीश कुमार लगभग बीस वर्ष मुख्यमंत्री पद पर रहे। आजादी के बाद बड़े बड़े कांग्रेसी या समाजवादी नेता अधिक वर्ष मुख्यमंत्री नहीं रह सके। अब नीतीश राज के बाद आने वाले मुख्यमंत्री के लिए यह एक बड़ी परीक्षा होगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

सफलता हाथों की लकीरों में नहीं
माथे के पसीने में होती है।
-अज्ञात

निशाना

उनके दर्द ऐसे कि..!

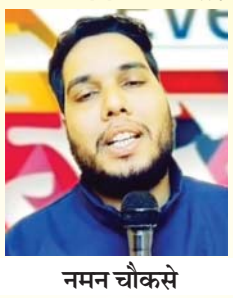

नमन चौकसे

उनके दर्द ऐसे हैं कि हमारे दर्द छिप जाते है,
जैसे बारिश में आँसू हमारे छिप जाते हैं,
हमारी तो कोई बात तक नहीं सुनता,
उनके अनुसार अख़बार छप जाते हैं।
दुश्मन ही उनके तरफ़दार लगते हैं
मेरा साया भी मुझसे रूठ जाता है।
जिन्होंने दरख़्तों को पानी दिया है,
उन्हें ही लकड़हारा समझ लिया जाता है।
मैं रख सका ना तोहफे तक उनके
मुझ पर लूट का इल्जाम लगाया जाता है।
नीम को आम कहा जिसने
फिर आम को खास बनाया जाता है।
जो चापलूसी जितनी ज्यादा कर दे
उसे उतना बड़ा इनाम दिया जाता है।
उनकी हां मैं ना कर दी हमने
अब हमें बदनाम किया जाता है।
नमन आवारगी से भरी है दुनियाँ
सादगी को हमेशा ठगा जाता है।

रेपिड रेस्पॉन्स

गुरुग्राम पुलिस की 'डिजिटल सहेली' पहल, नंबर डायल होते ही ऑनलाइन मुसीबत से बचाएगी

महिलाओं की ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ाने के लिए गुरुग्राम पुलिस ने 'डिजिटल सहेली' पहल लॉन्च की है। यह एक खास रैपिड रिस्पॉन्स सेल है, जो डीपफेक और आपत्तिजनक फोटोज को सोशल माडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करने जैसे साइबर अपराधों से बचाने और उनका सामना करने में महिलाओं की मदद करेगा। डिजिटल इंडिया के दौर में लोगों को जितनी सुविधाएं मिल रही हैं, उतना ही साइबर अपराध भी बढ़ रहे हैं। ऐसे में महिलाओं की सेफ्टी का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इसको ध्यान में रखते हुए गुरुग्राम पुलिस ने इस पहल की शुरुआत की है। यह सेल 24म7 काम करेगा, ताकि डिजिटल अपराध का शिकार हुईं महिलाओं को तुरंत सहायता मिल सके।

एंटी-डीपफेक सेल: 'डिजिटल सहेली' यूनिट को एक खास 'एंटी-डीपफेक' और 'सेक्स्टॉर्शन' रिस्पॉन्स सेल के तौर पर बनाया गया है। यह सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर महिलाओं को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधों को लेकर बढ़ती चिंताओं को दिखाता है। अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन शोषण जैसे कि उनके वीडियो या फोटो के साथ छेड़छाड़ करके उन्हें सोशल मीडिया पर पोस्ट करना, कंटेंट के आधार पर ब्लैकमेल करना, का सामना कर रही हैं महिलाओं के लिए एक खास हेल्पलाइन नंबर है। वे बस एक कॉल लगाकर अपने साथ हुई घंटनाओं की रिपोर्ट कर सकते हैं। वह हेल्पलाइन नंबर 9999981002 है।

क्या है पहल का उद्देश्य?: इस पहल का उद्देश्य है कि पीड़ित बिना किसी डर या हिचकिचाहट के अपने साथ हुए साइबर अपराध की रिपोर्ट कर सकें। कई बार लोग अपनी पहचान छुपाने के कारण भी शिकायत नहीं करते हैं। इस पहल के तहत शिकायत करने वाल शिकायत करने वालों की पहचान पूरी तरह से गोपनीय रखी जाएगी। इससे पीड़ितों को रिपोर्ट करने का एक सुरक्षित तरीका मिलेगा।

पीड़ितों को मिलेगी काउंसलिंग: कानूनी मदद के अलावा, 'डिजिटल सहेली' पहल पीड़ितों को काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य सहायता भी देगी। कॉल के अलावा महिलाएं विभाग के चैटबॉट +91 95999 64777 के जरिए इस पहल और पुलिस की अन्य सेवाओं के बारे में आप अधिक जानकारी भी पा सकती हैं।

अजब - गजब

नेताजी के पांच एकड़ के खेत में आठ करोड़ रुपये के पौधे, सुरक्षा के लिए तैनात कर रखे थे बाउंसर

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मक्के की खेती के आड़ में अफीम उगाने के मामले में विनायक ताम्रकार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अफीम की खेती में शामिल होने के बाद बीजेपी ने विनायक ताम्रकार को पार्टी से निलंबित कर दिया है। वह बीजेपी किसान मोर्चे का पदाधिकारी था। विनायक ने अपने पांच एकड़ खेत में अफीम की खेती की थी। पुलिस ने समोदा और झेनझरी गांव में स्थित फार्महाउस से करीब 5 एकड़ क्षेत्र में अफीम के पौधे जब्त किए गए हैं। खेत से करीब 14 लाख 30 हजार पौधे बरामद किए गए हैं। जब्त पौधों की कीमत करीब 8 करोड़ रुपये है। जांच में सामने आया है कि राजस्थान के मजदूर अफीम की खेती का काम संभाल रहे थे। खेत की सुरक्षा के लिए बाउंसर तैनात किए गए थे।

फॉर्म हाउस के चारों ओर गेट लगाए गए थे, जिससे आम लोगों का अंदर जाना संभव नहीं थी। आम लोगों का इस जगह पर आना-जाना नहीं था जिस कारण से लोगों को पता नहीं चलता था कि यहां किसकी खेती हो रही है।

सर्वे में मक्का और गेहूं दिखाया गया: डिजिटल सर्वे में फार्महाउस में गेहूं और मक्का की खेती दिखाई गई थी। उसी की आड़ में बीजेपी नेता ने अफीम उगाई थी। लेकिन मुखबिर से पुलिस को सूचना मिली की बीजेपी नेता विनायक ताम्रकार के खेत में अफीम की खेती की जा रही है। जिसके बाद इलाके का ड्रोन सर्वे किया गया। पुलिस ने इसके बाद शनिवार को खेत में रेड डाली। विजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक के अनुसार जिले के पुलगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत समोदा, झेनझरी और सिरसा गांव के मध्य स्थित भूमि में अवैध रूप से अफीम की खेती करने के आरोप में निलंबित भाजपा नेता विनायक ताम्रकार, विकास बिश्नोई और मनीष ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है।

फार्महाउस में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था: भाजपा नेता विनायक ताम्रकार ने फार्म हाउस में रहने वाले मजदूरों के लिए सुरक्षा व्यवस्था भी की थी। इनके रहने के लिए मकान और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई थीं। खेत और मजदूरों की सुरक्षा के लिए बाउंसर तैनात थे। फार्महाउस के चारों ओर गेट लगाए गए थे। इस फॉर्म हाउस में आम लोगों की एंट्री को बैन किया गया था।

क्या कहा अधिकारियों ने: दुर्ग जिले के एसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि जिले के समोदा, झेनझरी और सिरसा गांव के मध्य स्थित भूमि में अवैध रूप से अफीम की खेती किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस दल मौके पर पहुंचा और मामला दर्ज कर अन्य संबंधित विभागों को इसकी सूचना दी गई। मौके पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खेत में मक्का की फसल के बीच-बीच में अफीम के पौधे लगाए गए थे। संयुक्त दल ने खेत का निरीक्षण करके लगभग पांच एकड़ 62 डिसमिल क्षेत्र में लगे अफीम के पौधों को जब्त किया। इसकी अनुमानित कीमत लगभग आठ करोड़ रूपए आंकी गई है।

करीला धाम पर लगा तीन दिवसीय मेला, रोशनी से जगमग हुई पहाड़ी

अशोकनगर। मध्यप्रदेश के सबसे बड़े मेले का शुभारंभ हो गया है। मां जानकी की जन्मस्थली करीला धाम में पहले ही दिन करीब ढाई लाख श्रद्धालु यहां पहुंच गए। सुबह से ही श्रद्धालुओं के आने का दौर शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए और मन्नत पूरी होने पर नृत्यांगनाओं से बधाई नृत्य कराया। रविवार को करीला धाम पर 20 से 25 लाख श्रद्धालुओं पहुंचे।

न्यूज विंडो

देर रात 1 बजे से शुरू हुआ पुरी-सब्जी का वितरण

सिरोंज। मां जानकी करीला माता भंडारा समिति द्वारा आयोजित भंडारे में रविवार को मां जानकी के हजारों भक्तों ने तले चने का प्रसाद ग्रहण किया। इसके साथ ही देर रात में यहां पर पुड़ी-सब्जी की प्रसादी का वितरण शुरू हुआ। समिति द्वारा हर साल करीला जाने वाले भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया जाता है। जिसकी तैयारियां एक दिन पहले ही शुरू हो जाती है। इस बार भी समिति ने ही कुरवाई रोड पर स्थित पेट्रोल पंप पर भंडारे की प्रसादी वितरण की तैयारी करना शुरू कर दी थी। इसके बाद रविवार शाम 4 बजे से भंडारा स्थल पर तले चने का प्रसाद वितरण शुरू हो गया। मसालेदार चने लोगों को खूब भाए। यहां पर समिति सदस्यों द्वारा लोडिंग, चारपहिया और दोपहिया वाहनों से करीला जा रहे प्रत्येक श्रद्धालु को अनुरोध कर प्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया जा रहा था। श्रद्धालु दोने में प्रसाद लेने के बाद एक तरफ बैठकर खा रहे थे। समिति द्वारा यहीं पर पानी के टेंकर भी रखवाए गए थे। समिति सदस्य वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश यादव, अंकुर तारण, रघुवीर रघुवंशी, महेन्द्र रघुवंशी, लक्ष्मण सिंह रघुवंशी, राजेश रघुवंशी के साथ ही अनेक सदस्य देर रात तक प्रसाद वितरण की व्यवस्था देखते रहे। समिति द्वारा प्रसादी का वितरण दो चरणों में किया जाता है। करीला जाने वाले भक्तों के लिए जहां तले चने का प्रसाद दिया जाता है तो देर रात में लौट कर आने वाले भक्तों के लिए यहां पर पुरी, आलू-टमाटर की सब्जी और तली मिर्ची की भोजन प्रसादी वितरित की जाती है। इसके लिए सुबह से ही पुरी बनने का क्रम शुरू हो गया था। चना वितरण के बाद देर रात में समिति द्वारा रात 1 बजे से पुरी-सब्जी की प्रसादी का बांटी।

हिन्दू उत्सव समिति ने निकाला परंपरागत जुलूस, बासौदा नाका पहुंचकर हुआ समाप्त

सिरोंज। शहर में दिनभर रंगपंचमी का उत्साह और उल्लास दिखाई दिया। सुबह से शुरू हुआ रंग बरसने का सिलसिला शाम तक चलता रहा। इसके साथ ही होली के पांच दिवसीय त्योहार का समापन भी हो गया। पांच दिवसीय होली के त्योहार का लोगों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। सुबह से ही बच्चों और युवाओं की टोली लोगों को रंगने में लग गई थी। हिन्दू उत्सव समिति द्वारा रंगपंचमी पर ही नगर में परंपरागत जुलूस भी निकाला जाता है। सुबह 10 बजे यह जुलूस कस्टम पथ से शुरू हुआ। जुलूस में समिति द्वारा रंग और गुलाल का प्रबंध किया गया था। हुरियारों ने जमकर एक-दूसरे को रंग और गुलाल से सराबोर किया। इसके साथ ही समिति द्वारा की होली की गीतों पर युवाओं की टोली जमकर डांस करते हुए चल रही थी। समिति के अध्यक्ष ओम सोनी के साथ ही पदाधिकारी सुमंत मित्तल, भाजपा नेता अलोक भार्गव, शिवकुमार भार्गव, सचिन शर्मा, विमल साहू, कृष्णमोहन नामदेव, रिंकू सुमन और विपिन माली के साथ ही बड़ी संख्या में हुरियारे शामिल थे। इस दौरान नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने अपनी टीम के साथा व्यवस्था देखी। यह जुलूस कठाली बाजार, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार, चांदनी चौक, सिनेमा चौराहा, कोर्ट गेट चौराहा, राज बाजार, हाजीपुर होता हुआ बासौदा नाका पहुंचकर समाप्त हुआ। मुख्य बाजार में जहां से भी ये जुलूस निकला लोगों ने घरों से के बरामदे और छतों से रंग बरसा कर हुरियारों का स्वागत किया। जैसे-जैसे जुलूस आगे बढ़ता गया इसमें युवाओं की संख्या में भी इजाफा होता गया।

नेशनल हाइवे नंबर - 46 पर हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक की मौत, तीन अन्य लोग गंभीर घायल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नेशनल हाइवे नंबर - 46 पर दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, कार तेज रफ्तार में थी, जो अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे वाहन से टकरा गई। कार में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार कार नर्मदापुरम से भोपाल की ओर जा रही थी। इसी दौरान बुधनी थाना क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हो गया। उसमें सवार सभी लोग मंडीदीप के रहने वाले थे। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने फौरन घायलों को एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही एसडीओपी रवि शर्मा स्वयं मौके पर पहुंचे और राहत कार्य की निगरानी करते हुए घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था कराई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

बिजनेसमैन के घर में आग, बहू की मौत, 5 सदस्यों को बचाया

ग्वालियर। शहर में कोतवाली थाना क्षेत्र में शाम को बिजनेसमैन के मकान में आग लगने से हड़कंप मच गया। जिस वक्त घर में आग लगी तब घर में परिवार के 6 सदस्य मौजूद थे जो आग की लपटों में घिरे हुए थे। मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम खिड़कियां तोड़कर घर में दाखिल हुई और 5 लोगों को सुरक्षित बचाया जबकि बिजनेसमैन की बहू की मौत हो गई। फायर ब्रिगेड आग बुझाने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि जिस मकान में आग लगी है उसमें व्यापारी परिवार के तीन भाई गिर्राज, दिनेश और हरिओम एक साथ रहते हैं। आग लगने के समय परिवार के सभी सदस्य घर के अंदर थे। आग तेजी से फैली और कुछ ही देर में पूरे घर में फैल गई, जिसके कारण परिवार के सभी सदस्य आग की लपटों में घिर गए। घर से आग की लपटें उठते देख लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जिसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरु किया। घर की खिड़कियां तोड़कर घर में दाखिल हुई और परिवार के सभी सदस्यों को बाहर निकाला। जिसके बाद बिजनेसमैन की बहू अंकित अग्रवाल पति सचिन अग्रवाल को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

भतीजे ने चाचा के घर में ट्रैक्टर चढ़ाया, दीवार टूटने से परिजन दबे

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के बम्होरीकलां थाना क्षेत्र के रतवास गांव में चाचा और भतीजे का विवाद रात 12 बजे करीब हुआ था। विवाद इस हद तक बढ़ गया कि बात गाली-गलौज तक पहुंच गई। आक्रोशित भतीजे ने को जाकर चाचा के घर में घुसा दिया। जिसके कारण मकान की दीवार टूट गई और परिजन दब गई। घायलों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजा। इसके बाद चाचा ने ट्रैक्टर में आग लगा दी। मामले की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, रतवास निवासी चाचा रामप्रसाद अहिरवार और भतीजा प्रमोद अहिरवार का विवाद शनिवार की दोपहर में परिवारिक विवाद खेत पर होता रहा। विवाद गाली गलौज तक चलता रहा। उसके बाद दोनों परिवार के लोग गांव के घर आ गए। मौका पाकर रात 12 बजे के करीब भतीजे ने ट्राली के साथ ट्रैक्टर को तेज रफ्तार से चाचा राम प्रसाद के मकान में मार दिया। जिससे मकान की दीवार टूट गई। दीवार टूट ने परिजन दब गए। जिससे पीड़ित मामले में घायल हो गए। घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। घटना को अंजाम देकर भतीजा भाग गया। मौका पाकर चाचा और उनके परिजनों ने ट्रैक्टर में आग लगा दी। जिससे ट्रैक्टर पूरी तरह से जल गया है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 281, 125,1, 324,4 और 184 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेटे की शादी के माता पूजन कार्यक्रम में चक्कर खाकर गिरे पिता, थम गईं सांसें

गुना। दोपहर मेट्रो

गुना से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां एक पिता की बेटे की शादी से ठीक दो दिन पहले मौत हो गई। बेटे की शादी के माता पूजन कार्यक्रम के दौरान पिता चक्कर खाकर गिरे और उनकी सांसें थम गईं। परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल लेकर भी पहुंचे लेकिन तब तक देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पिता के आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। गुना शहर के जानकीपुरम में रहने वाले 50 वर्षीय पप्पू कुशवाह के बेटे केशव की शादी 10 मार्च को होनी थी। रविवार को माता-पूजन का कार्यक्रम था तभी उन्हें चक्कर आया और वो गिर पड़े। परिजन तुरंत पप्पू को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक देर हो चुकी थी।

मेट्रो एंकर

रंगों की बौछार के साथ निकला रंगपंचमी का चल समारोह

नगर पालिका के टैंकरों से बरसे रंग, मुख्य मार्गों पर जमकर खेली गई होली

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी रंगपंचमी का पर्व नगर में उत्साह, उमंग और भाईचारे के साथ मनाया गया। नगर पालिका द्वारा रंगपंचमी के अवसर पर भव्य चल समारोह निकाला गया, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ नगर पालिका के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। चल समारोह का शुभारंभ गांधी चौक स्थित राम जानकी मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद रंगों और उत्साह से भरा यह जुलूस शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ स्टेशन क्षेत्र तक पहुंचा, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया। पूरे मार्ग में नागरिकों ने रंगों की बौछार के साथ चल समारोह में जमकर होली खेली। नगर पालिका द्वारा इस अवसर पर विशेष रूप से टैंकरों में रंग भरकर मुख्य मार्गों पर चल समारोह के साथ चलाया गया, जिससे नागरिकों पर रंगों की वर्षा की गई। नगर के युवा, बुजुर्ग और बच्चे सभी रंगों में सराबोर होकर होली के इस अनूठे आयोजन का आनंद लेते नजर आए। ढोल-नगाड़ों और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं।

चल समारोह के दौरान पूरे मार्ग में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। नगर पालिका के इस आयोजन ने शहर में आपसी भाईचारे, सौहार्द और उत्साह का संदेश दिया।

रंगों से सराबोर इस आयोजन में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए और पूरे नगर में रंगपंचमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

न्यूज विंडो

पांदुर्णा शहर में चोरों की अफवाहों से तंग लोग, देर रात तक जाग रहे

पांदुर्णा। शहर में चोरों की अफवाहें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। देर रात करीब 12 बजे मेघनाथ और संत रविदास वार्ड के कई लोग पुलिस थाने पहुंचे और शिकायत की कि उनकी गलियों में चोर घूम रहे हैं, जिससे इलाके में दहशत का माहौल है। थाना प्रभारी अजय मरकाम ने कहा कि यदि चोर सच में घूम रहे होते, तो उन्हें पकड़ा जाता। उन्होंने बताया कि यह अफवाहें फैलाकर माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है।

मंडला के कान्हा नेशनल पार्क से 8 बारहसिंगा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजे

मंडला। मंडला के कान्हा नेशनल पार्क से 8 बारहसिंगा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजे गए हैं। जानकारी के अनुसार इन्हें सरही परिक्षेत्र के सौंफ मैदान से विशेष वाहन द्वारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के लिए रवाना किया गया। कान्हा से सतपुड़ा में बारहसिंगा के स्थानांतरण का यह नवीनतम चरण है। इससे पहले भी कान्हा से 127 बारहसिंगा सतपुड़ा भेजे जा चुके हैं।

प्रेमी की हत्या की रची साजिश, पहले करंट लगाया और फिर पैर काटा

सिंगरौली। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र में हुई युवक की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने चौंका देने वाला खुलासा किया है। युवक की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसकी ही प्रेमिका ने अपने परिवार के साथ मिलकर की थी। पुलिस के मुताबिक युवक प्रेमिका से शादी करना चाहता था लेकिन युवती की शादी कहीं और तय हो चुकी थी इसलिए उसने अपने परिवार के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या की साजिश रची। पुलिस ने प्रेमिका के साथ ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। बरगवां थाना क्षेत्र के पोखरा गांव में 28 फरवरी की सुबह एक खेत में युवक खून से लथपथ हालत में घायल मिला था। युवक का एक पैर कटा हुआ था और शरीर पर बिजली के करंट व लाठियों के गहरे घाव थे। ग्रामीणों के द्वारा मिली सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल बैढ़न भेजा। हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। युवक की पहचान आजादपुर निवासी संदीप यादव (20) के रुप में हुई थी।पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक संदीप यादव का पोखरा गांव की रहने वाली पूजा पनिका नाम की युवती से प्रेम संबंध थे लेकिन पूजा की शादी कहीं और पर तय हो चुकी थी। संदीप प्रेमिका पूजा से शादी करना चाहता था और उस पर शादी का दबाव बना रहा था। इसी कारण पूजा ने अपने परिवार वालों के साथ मिलकर संदीप की हत्या की साजिश रची। प्लानिंग के तहत 27 फरवरी की रात को पूजा ने मिलने के लिए संदीप को अपने घर बुलाया। वहां पूजा की मां, भाई व चाचा ने संदीप को पकड़ लिया और पहले करंट लगाया और फिर कुल्हाड़ी से उसका पैर काटा था।

सागर के मकरोनिया थाना क्षेत्र की वारदात, आरोपी का शव रेलवे ट्रेक पर मिला

एक तरफा प्यार में आरोपी युवक ने छात्रा पर धारदार कटर से किया हमला, हालत नाजुक

सागर। दोपहर मेट्रो

कक्षा 12वीं का पेपर देकर लौट रही एक नाबालिग छात्रा पर आरोपी ने कटर से ताबड़तोड़ जानलेवा वार कर दिए। उसके चेहरा, पीठ, कंधे व अंगुलियों पर युवक ने कटर से कई वार किए। घटना मकरोनिया थाना क्षेत्र में हुई। गंभीर हालत में छात्रा को बीएमसी (बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज) में भर्ती किया गया है। जख्मों पर करीब 80 टांके लगाए गए हैं। खून बहने से उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि एकतरफा प्रेम के चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया है। इधर पुलिस आरोपी की तलाश में थी तभी आरोपी का शव रेल्वे ट्रेक पर मिला। मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार दोपहर करीब 2 बजे दुर्गा नगर निवासी छात्रा पेपर देकर स्कूल से घर जा रही थी, तभी रास्ते में बंडा निवासी आरोपी नीलेश पटेल मोटरसाइकिल से आया और छात्रा से बात करने लगा।इसी दौरान बहसबाजी हुई और आरोपी ने धारदार कटर से उसके चेहरे, पीठ व कंधे पर कई वार किए। छात्रा ने हथियार पकड़ने की कोशिश की, जिससे उसकी अंगुलियों में भी गहरे घाव लगे हैं। आरोपी छात्रा को लहूलुहान छोड़कर बाइक से भाग निकला। सूचना पर मकरोनिया पुलिस मौके पर पहुंची। छात्रा को तत्काल बीएमसी लाया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। छात्रा के परिजन बीएमसी पहुंचे। ज्यादा खून बहनें से छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी बालिग है। वह मकरोनिया थाना इलाके में एक खेत पर काम करता है। सूत्रों के अनुसार आरोपी वारदात के बाद अपने घर तक गया। बाइक रखने के बाद वहां से फरार हो गया। एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा ने बताया कि आरोपी बंडा ब्लॉक का रहने वाला है। उसने किसी धारदार हथियार से हमला किया है। वारदात की वजह पता की जा रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी सोशल साइट्स पर भी सक्रिय है। उसने सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाया है, जिसमें लिखा है, नाम बदनाम होने की चिंता छोड़ दी हमने, जब गुनाह होगा तो मशहूर भी होंगे।

शिकायत पर पुलिस ने संज्ञान में नहीं लिया मामला

आरोपी छात्रा से एकतरफा प्रेम करता था। छात्रा के परिजन का आरोप है कि आरोपी युवक कई दिनों से लड़की को परेशान कर रहा था। इसकी शिकायत थाने में की थी, लेकिन पुलिस ने इस पर संज्ञान नहीं लिया। मकरोनिया में पेपर देकर लौट रही छात्रा पर कटर से हमला करने वाले आरोपी नीलेश पटेल का शव रेल्वे ट्रेक पर मिला है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या की है। हालांकि कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। पुलिस जांच में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

खेत पर चोरी करने आए बदमाशों ने चाकू मारकर की किसान की हत्या

कृषि यंत्र चुराने आए बदमाशों ने किसान पर चाकू से जानलेवा हमला कर हत्या कर दी। घटना गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के कुमरई गांव की है। पिता को बचाने आए पुत्र पर भी हमला किया और भाग गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बीती रात किसान खेत में पानी देने गया था। पुलिस के अनुसार 70 वर्षीय श्यामलाल कुर्मी निवासी कुमरई रात में खेत में पानी देकर आराम करने लगे। इसी दौरान बदमाश खेत पर पहुंचे। आहट आने पर वह जाग गए। उन्होंने टॉर्च की रोशनी कर आवाज दी। बदमाश भागने लगे उनका पीछा करते हुए किसान खेत से करीब दो किलोमीटर पहुंचे और किसान का आरोपियों से विवाद हुआ। इसी दौरान पड़ोसी ने श्यामलाल के बेटे महेश को घटना की सूचना दी वह पिता को बचाने पहुंच गया। इसी दौरान आरोपियों ने चाकू व लाठी से उसके पिता पर हमला कर दिया। चाकू पिता के सीने पर लगा। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। महेश कुर्मी की शिकायत पर अज्ञात 6 आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है।

जो चेले 'लड़कीबाजी' के चक्कर में पड़े, वह छोड़ दें, वर्ना पर्चा खोल देंगे-पं. धीरेन्द्र शास्त्री

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

इंटरनेशनल कथावाचक और बागेश्वर धाम के मुख्य पीठाधीश्वर अक्सर अपने बयानों के कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। उन्होंने बागेश्वर धाम की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि कुछ सेवादारों का भाषा और व्यवहार बहुत घटिया है। ये लोग भक्तों से ऐसे पेश आते हैं, जैसे किसी सैन्य व्यवस्था में खड़े हों। उन्होंने सेवादारों पर तंज कसते हुए कहा कि चाय से ज्यादा गर्म केतली हो रही है। पीठ पीछे ये खुद को ही गुरु समझने लगे हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि उनके चेले उनसे सादगी नहीं सीख पा रहे हैं। इनकी नजर सेवा पर नहीं हमारे भौकाल पर रहती है। इन्हें लगता है कि पीएम और मुख्यमंत्रियों, एक्टर-एक्ट्रेस से डायरेक्टर कनेक्शन है, इसलिए भौकाल है। सेवादारों को सेवा से नहीं, बल्कि गुरु के भौकाल से मतलब है।

हमारे चेले हमसे ही नहीं सीख पा रहे हैं।

सेवादारों को फटकारते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि कई लोग सेवा की भावना से नहीं, बल्कि अन्य कारणों से जुड़े हुए हैं। आधे से ज्यादा सेवादार इसलिए बन गए, क्योंकि यहां ज्यादा माल-पानी है। कुछ लौंडे यहां लौंडियाबाजी के चक्कर में चेले बन गए। धाम में बालाजी की वजह से बच्चे-बच्चियां खिंचे चले आते हैं। बागेश्वर बाबा ने चेलों को आगाह करते हुए कहा कि हमें सबकी सच्चाई पता है। जो लोग हमारे नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं। उनका सच भी सामने आ सकता है। चेलों की स्थिति बड़ी विचित्र हो गई है। हमसे मिले नहीं और सेवादार बन गए। आधे से ज्यादा सेवादार मेरे नाम से बन गए। हम दूसरों का पर्चा खोलते हैं, तो तुम्हारा पर्चा भी खोल देंगे।

रंग पंचमी: 'आ बैल मुझे मार' हास्य सम्मेलन हुआ

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में रंग पंचमी की पूर्व संध्या पर शहर में विगत 23 वर्षों से आयोजित होने वाला लोकप्रिय 'आ बैल मुझे मार' हास्य सम्मेलन इस वर्ष भी स्थानीय पोला ग्राउंड में हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शहरवासियों की भारी भीड़ उमड़ी और सैकड़ों दर्शकों ने देर रात तक चले इस आयोजन का उत्साहपूर्वक आनंद लिया। कार्यक्रम में हास्य सम्राट स्वर्गीय राजू श्रीवास्तव के छोटे भाई और बॉलीवुड के हास्य कलाकार दीपू श्रीवास्तव ने अपनी कॉमेडी से लोगों को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया।

आशुतोष महाराज पर चलती ट्रेन में हमले से सनसनी

सतना। दोपहर मेट्रो

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ एफआइआर कराने वाले आशुतोष महाराज ब्रह्मचारी पर रविवार तड़के चलती ट्रेन में जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आशुतोष महाराज के अनुसार, सुबह पांच बजे रीवा आनंद विहार एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट कोच में 2 से 3 लोगों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। आशुतोष दिल्ली से प्रयागराज आ रहे रहे थे और ट्रेन के एसी फर्स्ट कोच के एफ केबिन में यात्रा कर रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अज्ञात लोगों ने उन्हें जान से मारने का प्रयास किया।

सूचना मिलने पर आरपीएफ सतना ने ट्रेन के सतना स्टेशन पहुंचते ही कोच की जांच की। मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष जबलपुर से सूचना मिलने के बाद आरपीएफ निरीक्षक वीके यादव अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे कोच का निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया कि एसी फर्स्ट कोच में कैमरे नहीं लगे हैं।

आरपीएफ ने कोच अटेंडेंट से भी पूछताछ की। अटेंडेंट ने बताया कि सिराथू स्टेशन से ट्रेन रवाना होने के 15-20 मिनट बाद एक यात्री ने उसे सूचना दी कि एफ केबिन की सीट नंबर 15 पर यात्रा कर रहे एक बाबा के साथ मारपीट हुई है। सूचना पर जब वह मौके पर पहुंचा तो बाबा सीट पर बैठे मिले और उनके बाएं हाथ और नाक पर चोट का निशान दिखाई दिया। बाबा ने बताया कि 2-3 लोगों ने उनके साथ मारपीट कर उन्हें मारने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों को वह पहचान नहीं सके। कोच अटेंडेंट के अनुसार घटना के समय उसे कोई शोर-शराबा सुनाई नहीं दिया और उसे इसकी जानकारी दूसरे यात्री से मिली। आरपीएफ ने कोच की वीडियोग्राफी भी कराई, लेकिन जांच में कहीं भी खून के धब्बे या अन्य संदिग्ध निशान नहीं मिले। फिलहाल आरपीएफ पूरे मामले की जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मेलन आयोजित

महिलाओं को साइबर सुरक्षा व कई योजनाओं की दी जानकारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास समिति दमोह द्वारा एसजीपी टेरी के सहयोग से कृषि उपज मंडी प्रांगण तेंदूखेड़ा में भव्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वीरांगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एसडीओपी अर्चना अहीर एवं अध्यक्षता कर रहीं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनीता सिंह सहित अन्य अतिथियों ने रानी दुर्गावती के साहस और योगदान को याद करते हुए महिलाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। सम्मेलन में महिलाओं के अधिकार, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि एसडीओपी अर्चना अहीर ने महिलाओं को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी और कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में महिलाएं बिना झिझक पुलिस से संपर्क करें। वहीं सीडीपीओ पूजा ठाकुर ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। सरपंच संघ ब्लॉक अध्यक्ष नीतू साहू ने अपने संबोधन में कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, राजनीति, खेल और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता सविता पाल ने समाज सुधारक ज्योतिराव फुले के विचारों का उल्लेख करते हुए महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मेलन में लगभग 450 महिलाओं ने भागीदारी की, जिनमें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, सरपंच, पंच तथा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं शामिल रहीं। कार्यक्रम के दौरान नारी शक्ति जिंदाबाद के नारों से पूरा परिसर उत्साह और ऊर्जा से भर गया। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर रश्मि साहू, लक्ष्मी पाल, ज्योति धुर्वे, नीतू साहू, शिवानी सीएचओ, लक्ष्मी राय, संध्या रावत सरपंच, खुशबू, गोविंद यादव, राजकिशोर सेन, आरती ठाकुर, नीता बेन, ममता पाठकर, ज्योति राव, ज्योति रैकवार, प्रियंका साहू, राजेश सिंह, सुषमा यादव, डॉ. दीप्ति नामदेव सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में ग्रामीण विकास समिति द्वारा सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया

मेट्रो एंकर रंगपंचमी पर नहीं पहुंचा पानी, तेंदूखेड़ा में पानी की भीषण समस्या से जूझ रहे लोग

तीन दिन से नर्मदा जल सप्लाई बाधित, वार्डवासी हुए परेशान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में इन दिनों पानी की समस्या को लेकर आमजन काफी परेशान हैं। रंग पंचमी जैसे त्योहार के दिन भी नगर में नर्मदा जल की सप्लाई नहीं होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। नगरवासियों का कहना है कि त्योहार के अवसर पर पानी की विशेष आवश्यकता होती है, लेकिन तीन दिनों से सप्लाई बंद है सप्लाई बंद रहने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई। ज्ञात हो कि नगर में लम्हेटा घाट से नर्मदा जल की सप्लाई की जाती है। नर्मदा जल योजना के अंतर्गत नगर के लगभग 80 प्रतिशत घरों में एक दिन छोड़कर करीब एक घंटे के लिए पानी पहुंचाया जाता है। हालांकि जब से यह व्यवस्था शुरू हुई है, नगर परिषद की पूर्व में संचालित बोर आधारित जल आपूर्ति व्यवस्था भी लगभग बंद हो गई है।

लगभग 33 करोड़ रुपये की लागत से बनी नर्मदा जल योजना का अपेक्षित लाभ नगरवासियों को नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों में असंतोष देखा जा रहा है। इस संबंध में नगर परिषद के जलप्रभारी रामकुमार यादव से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि नर्मदा जल लाइन जबलपुर जिले के बासन पाटन क्षेत्र से बंद होने की जानकारी मिल रही है। उनके अनुसार वहां स्थापित मोटर में तकनीकी खराबी आने के कारण पानी की सप्लाई प्रभावित हुई है। ज्ञात हो कि कई बार लम्हेटा घाट से तेंदूखेड़ा तक करीब 45 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन में भी तकनीकी खराबियां आ जाती हैं। कभी पाइपलाइन दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है, तो कभी मोटर में खराबी आ जाती है या अन्य कारणों से भी सप्लाई बाधित होती रहती है गर्मी की शुरुआत ही हुई है और उससे पहले ही पानी की समस्या उत्पन्न हो जाना नगरवासियों के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि समय रहते समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। इस बार नर्मदा जल योजना की परीक्षा की घड़ी है क्योंकि पिछली बार नगर परिषद की जल सप्लाई एवं नर्मदा जल सप्लाई दोनों नगर वासियों को मिल रही थी लेकिन नर्मदा लाइन के चालू होने के बाद परिषद ने अपनी सप्लाई बंद कर दी थी जिसके कारण कई जगहों के पाइप चोरी हो चुके हैं तो कई जगह नगर परिषद की लाइन खराब हो चुकी है ऐसे में 33 करोड़ की योजना क्या सफल होगी फिलहाल नगर परिषद द्वारा लगभग 3 टैंकरों के माध्यम से पानी की सप्लाई की जा रही है, साथ ही जहां-जहां नगर परिषद की लाइन से पानी पहुंचाया जा सकता है वहां पानी पहुंचाया जा रहा है लेकिन यह व्यवस्था ऊंट के मुंह में जीरे के समान साबित हो रही है। नगरवासियों ने प्रशासन से जल्द से जल्द जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है, ताकि उन्हें इस समस्या से राहत मिल सके। इस संबंध में नर्मदा जल प्रबंधन के प्रोजेक्ट ऑफिसर जबलपुर तुषार ठाकरे से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

भारत कब-कब बना आईसीसी विश्व कप विजेता

तीन साल में टीम इंडिया ने तोड़ दिया अहमदाबाद का मिथक

जहां टूटा था सपना, वहीं चैम्पियन बन जीता दिल

महान कप्तानों की सूची में शामिल हुए सूर्यकुमार यादव

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया। करीब 90 हजार दर्शकों की गूंज के बीच भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर टी20 विश्व कप का खिताब तीसरी बार अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम की इस महाजीत के साथ ही अहमदाबाद के इस मैदान से 19 नवंबर 2023 की हार की याद भी खत्म हो गई। कप्तान सूर्या की अगुवाई में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब का सफल बचाव किया। यह पहली बार है जब किसी टीम ने अपने ही देश में टी20 विश्व कप जीता और साथ ही खिताब बचाने का कारनामा भी किया।इस जीत के साथ ही भारतीय मेन्स टीम टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाली टीम बन गई है। भारत ने 2007, 2024 और 2026 में खिताब जीते हैं, जबकि इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमों ने दो-दो बार यह ट्रॉफी जीती है। 33 साल की उम्र में कप्तानी संभालने वाले सूर्यकुमार यादव अब उन भारतीय कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने विश्व कप जिताया है। इस सूची में कपिल देव, महेंद्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

अहमदाबाद का मिथक टूटा

इस महामुकाबले से पहले हर किसी के मन में ये सवाल था कि आखिर भारत यहां कैसे मुकाबला जीतेगा। इसके पीछे 2023 की वो कड़वी याद थी जब टीम इंडिया ने वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल ऑस्ट्रेलिया के सामने यहीं गंवाया था। तब भारत अजेय रहते हुए फाइनल में पहुंचा था लेकिन वह खिताब नहीं जीत सका था। इस टूर्नामेंट में भी भारत केवल एक मैच हारा था। वो मैच भी साउथ अफ्रीका के साथ इसी मैदान पर था। इसलिए फैन्स के मन में ये सवाल कौंध रहा था कि आखिर टीम इंडिया अहमदाबाद का मिथक कैसे तोड़ेगी। लेकिन चैम्पियन टीम मिथकों और तमाम रिकॉर्ड्स को तोड़कर ही बना जाता है। भारतीय टीम ने अपनी हर पिछली हार से सबक लिया। और सबसे बड़ी बात इस बार टीम इंडिया ने अहमदाबाद की पिच को अच्छे से समझा और उसी हिसाब से प्लानिंग की।

भारत की तूफानी बल्लेबाजी

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। भारत ने 20 ओवर में 255 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में चल रहे संजू सैमसन ने एक बार फिर धमाकेदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 46 गेंदों में 89 रन बनाए और तीसरी बार शतक से थोड़ा पीछे रह गए। उनके अलावा ईशान किशन ने 25 गेंदों में 54 रन और अभिषेक शर्मा ने 21 गेंदों में 52 रन की तेज पारी खेली। अंत में शिवम दुबे ने सिर्फ 8 गेंदों में नाबाद 26 रन बनाकर टीम को 250 के पार पहुंचा दिया। यह लगातार दूसरा मौका था जब भारत ने इस टूर्नामेंट में 250 से ज्यादा रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बिखरी न्यूजीलैंड

256 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी। पावरप्ले के अंदर ही उसके तीन विकेट गिर गए और टीम मैच में पीछे हो गई। नौवें ओवर तक न्यूजीलैंड का स्कोर 5 विकेट पर 72 रन हो चुका था और तभी से मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम को 19 ओवर में 159 रन पर समेट दिया। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 4 विकेट हासिल किए।

सुपर 8 में रहने वाली टीमों को भी मिला बंपर इनाम

टी20 विश्व कप विनर भारत को मिले 27.48 करोड़ रुपए

अहमदाबाद, एजेंसी

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम पर न केवल सम्मान बल्कि पैसों की भी भारी बारिश हुई है। अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को हराने के बाद टीम इंडिया के लिए इनामी राशि का खुलासा हो गया है। वहीं इसके अलावा सेमीफाइनल और सुपर 8 में रहने वाली टीमों को भी बंपर इनाम मिला है।

आईसीसी के नियमों के मुताबिक विश्व विजेता बनने वाली भारतीय टीम को 3 मिलियन डॉलर की इनामी राशि मिली है। भारतीय रुपयों में यह रकम लगभग 27.48 करोड़ रुपये बैठती है। यह टूर्नामेंट के कुल प्राइज पूल का एक बड़ा हिस्सा है। इस पूरे वर्ल्ड कप में बल्ले से आग उगलने वाले संजू सैमसन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। सैमसन ने न केवल फाइनल में 46 गेंदों पर 89 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में अपनी निरंतरता और विस्फोटक स्ट्राइक रेट से दुनिया को अपना मुरीद बना लिया। उनके इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने भारत को विश्व विजेता बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई।

बाकी टीमों को क्या मिला?

उपविजेता (न्यूजीलैंड): फाइनल हारने वाली कीवी टीम को 1.6 मिलियन डॉलर (लगभग 14.65 करोड़ रुपये) दिए गए।

सेमीफाइनलिस्ट (इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका): सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली इन दोनों टीमों में से प्रत्येक को 790,000 डॉलर (लगभग 7.24 करोड़ रुपये) मिले।

सुपर-8 टीमें: जो टीमें सुपर-8 तक पहुंचीं लेकिन सेमीफाइनल में नहीं जा सकीं उन्हें 380,000 डॉलर (लगभग 3.48 करोड़ रुपये) मिले।

ग्रुप स्टेज टीमें: टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली हर टीम के लिए 250,000 डॉलर (लगभग 2.29 करोड़ रुपये) की राशि सुनिश्चित की गई थी।

कुल प्राइज पूल: आईसीसी ने इस पूरे टूर्नामेंट के लिए कुल 120 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था जिसे टीमों के प्रदर्शन और वे टूर्नामेंट में कितनी दूर तक पहुंचीं इस आधार पर बांटा गया है।

बुमराह ने लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड किया चकनाचूर

अहमदाबाद। टीम इंडिया ने रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम कर लिया है। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराया। गेंद से भारतीय टीम की जीत के नायक एक बार फिर जसप्रीत बुमराह रहे। बुमराह ने खिताबी मुकाबले में 4 विकेट लेने के साथ ही लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। जसप्रीत बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी की। 4 ओवर के स्पेल में बुमराह ने सिर्फ 15 रन खर्च किए और 4 बड़े विकेट चटकाए। टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में बुमराह ने दूसरा सबसे बेहतरीन स्पेल फेंका। इसके साथ ही बुमराह टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज भी बन गए हैं। बुमराह ने इस मामले में लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ा है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

एक्ट्रेस आकांक्षा ने तकलीफें सहकर कराए एग्ज फ्रीज, बयां की फीलिंग्स

मां बनने की ख्वाहिश

महिला दिवस के मौके पर सभी बॉलीवुड सेलेब्रिटीज एक दूसरे को विश किया और अपनी फीलिंग्स जाहिर की इसी बीच एक्ट्रेस आकांक्षा रंजन कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बताया कि उन्होंने हाल ही में अपने एग्ज फ्रीज कराए हैं। अपने इंस्टा हैंडल पर एक नोट शेयर करते हुए आकांक्षा ने बताया कि उनके पिछले दो हफ्ते काफी मुश्किल रहे। उन्हें रोज खुद को सुई लगानी पड़ी, शरीर में सूजन और मूड स्विंग्स का सामना करना पड़ा, दवाइयां लेनी पड़ीं और आखिर में सर्जरी भी करानी पड़ी। उन्होंने महिला शरीर की ताकत की तारीफ करते हुए उसे बेहद अद्भुत बताया।

महिला दिवस के मौके पर आकांक्षा ने अस्पताल के बेड पर बैठे हुए अपनी एक फोटो शेयर की। दूसरी फोटो में वो अपनी फिटनेस रूटीन में वापस आने की कोशिश करती नजर आईं। कैप्शन में उन्होंने लिखा- कल मैंने अपने एग्स फ्रीज करवा दिए। मैंने ये बात शेयर करने का प्लान नहीं किया था, लेकिन आज मुझे सही दिन लगा। महिला का शरीर सच में कमाल का होता है। पिछले दो हफ्ते काफी मुश्किल रहे–हर दिन मोटी सुई से खुद को इंजेक्शन लगाना, हार्मोनल बदलाव, पेट फूलना, मूड स्विंग्स, बार-बार स्कैन, दवाइयां, IV ड्रिप और आखिर में सर्जरी। लेकिन मैं बस इतना कहना चाहती हूं कि महिलाएं बहुत मजबूत होती हैं, और मैं हैरान हूं कि हमारा शरीर कितना समझदार और सक्षम है। उन्होंने दूसरी फोटो के बारे में भी बताया कि वो थोड़ी वॉक के लिए गई थीं। उन्होंने लिखा- दूसरी फोटो आज की है। मैं उसी जिंदगी की तरह तैयार हुई हूं जैसी मैं जीना चाहती हूं। यानी फिट और अपनी रूटीन में वापस आने वाली। हालांकि मैं अपने बिल्डिंग के आसपास सिर्फ 20 मिनट ही मुश्किल से चल पाई। लेकिन सच कहूं तो वो भी काफी लगा, क्योंकि मेरे शरीर ने अभी-अभी कुछ बहुत अद्भुत किया है। हैप्पी वुमेन्स डे।

आकांक्षा के पोस्ट पर कई सेलेब्रिटी ने दी प्रतिक्रिया

आकांक्षा की पोस्ट के बाद कई सेलेब्रिटीज ने प्रतिक्रिया दी. अथिया शेट्टी ने रेड हार्ट इमोजी भेजकर समर्थन जताया. वाणी कपूर ने कमेंट किया- तुम्हारे लिए बहुत सारा प्यार मेरी दोस्त. वहीं आकांक्षा की बहन अनुष्का रंजन ने लिखा- मेरी मजबूत लड़की. आकांक्षा हाल ही में ग्राम चिकित्सालय नाम की प्राइम वीडियो सीरीज में नजर आई थीं, जिसमें मुख्य भूमिका अमोल पराशर ने निभाई थी. ये ग्रामीण पृष्ठभूमि पर आधारित ड्रामा है, जिसमें गांवों में डॉक्टरों को आने वाली चुनौतियां, स्वास्थ्य सेवाओं की समस्याएं और लोगों की निजी परेशानियां दिखाई गई हैं. इस सीरीज में आकांक्षा ने डॉ. गार्गी का किरदार निभाया और चार एपिसोड में दिखाई दीं. इसके अलावा वो आलिया भट्ट की फिल्म जिगरा में एक छोटे से कैमियो रोल में भी नजर आई थीं.

मेट्रो बाजार

केंद्र ने निर्यात किए गए कार्गो को भारत वापस लाने के नियमों को किया आसान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निर्यात किए गए कार्गो को भारत वापस लाने के नियमों को आसान किया है। इसकी वजह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने के कारण जहाजों की आवाजाही प्रभावित होना है। केंद्र सरकार की ओर से यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है, जब मध्य पूर्व में तनाव के कारण कई भारतीय जहाज अपने गंतव्य स्थानों तक पहुंचने में असफल रहे हैं और कई जहाज दोबारा से भारतीय बंदरगाहों पर लौट रहे हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा जारी एक परिपत्र में, सरकार ने भारतीय बंदरगाहों पर वापस आने वाले ऐसे माल के निपटान के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया की घोषणा की है। यह अस्थायी राहत निर्यातकों और शिपिंग कंपनियों द्वारा उठाई गई चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से दी गई है। इससे उन निर्यातकों के वापस शहर लाने के अनुरोधों को संसाधित करने में भी मदद मिलेगी जिनका माल विदेशों में नहीं पहुंचाया जा सका। यह छूट परिपत्र जारी होने की तारीख से 15 दिनों तक प्रभावी रहेगी। नई व्यवस्था के तहत, भारत लौट रहे कंटेनरों को बंदरगाह टर्मिनलों पर बिना सामान्य आयात दस्तावेज, जैसे कि बिल ऑफ एंट्री, जमा किए ही उतारा जा सकता है। हालांकि, सीमा शुल्क अधिकारी कंटेनरों को जहाजों से उतारने की अनुमति देने से पहले शिपिंग दस्तावेजों का सत्यापन करेंगे। अधिकारी कंटेनर के विवरण का मिलान संबंधित शिपिंग बिलों से भी करेंगे और यह भी जांचेंगे कि कंटेनर की सील सही सलामत है या नहीं।

यूपी का छोरा करोड़ों के घर की दिखाई झलक लैविश लाइफ देख चौंकी फराह खान

बिग बॉस 19 नजर आए मृदुल तिवारी एक फेमस यूट्यूबर हैं। सोशल मीडिया पर मृदुल का तगड़ा फैंडम है। यूट्यूब पर उनके 19 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राइबर्स हैं। वो तगड़ी कमाई करते हैं और लैविश लाइफ जीते हैं। मृदुल अपने सादगीभरे अंदाज और फनी वीडियोज से फैंस का दिल जीत लेते हैं। सलमान खान के शो में भी उन्हें काफी पसंद किया गया था।

इतना आलीशान है मृदुल का घर

मृदुल तिवारी के घर में अब फराह खान अपना कुकिंग व्लॉग बनाने पहुंचीं। खाना बनाने के साथ फराह ने मृदुल के करोड़ों के आलीशान घर की झलक भी दिखाई। मृदुल का लैविश का घर देखकर फराह खान के भी होश उड़ गए। मृदुल ने नोएडा के अपने आलीशान घर का बेडरूम भी दिखाया, जिसे उन्होंने काफी क्लासी तरीके से डिजाइन किया है। बेडरूम में ज्यादा चीजें नहीं रखी हैं, ताकि ओपन स्पेस रहे। उनका हॉल भी काफी लग्जूरियस है, जिसे एस्थेटिक फर्नीचर से लैविश लुक दिया गया है। मृदुल के घर में एक मंदिर भी है। फराह खान संग बात करते हुए मृदुल तिवारी ने फेमस यूट्यूबर बनने की अपनी जर्नी भी बताई। मृदुल ने बताया कि 12वीं क्लास के बाद वो होटल मैनेजमेंट का कोर्स करना चाहते थे। लेकिन वहां नॉनवेज भी बनाना पड़ता, इसलिए उनकी मां ने उन्हें होटल मैनेजमेंट का कोर्स करने से मना कर दिया था। मृदुल ने आगे बताया कॉलेज के अगले सेशन में एडमिशन लेने के लिए उनके पास 7-8 महीने का टाइम था। वो खाली थे, तो उन्होंने स्ट्रीट फोटोग्राफी करने के लिए एक कैमरा खरीद लिया था। मगर उस कैमरे से उन्होंने वीडियो बनानी शुरू कर दी।

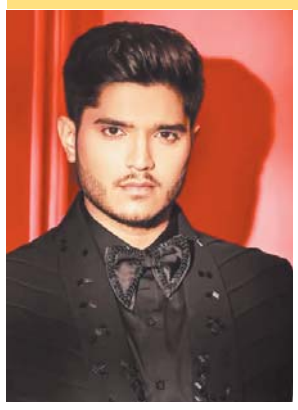

चीन के बंद ऐप इकोसिस्टम से अटकी एजेंटिक एआई की राह : रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । चीन के डोबाओ फोन विवाद पर एक रि?पोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एजेंटिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तभी सफल हो सकती है, जब वह अलग-अलग ऐप्स और जुड़े हुए डिवाइसों के बीच बिना रुकावट के काम कर सके। चीन का बिखरा हुआ मोबाइल इकोसिस्टम इस तरह की इंटरऑपरेबिलिटी को रोकता है। लॉफेयर मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के ÷सब कुछ करने वाले÷ ऐप्स जैसे वीचैट और अलीपे बंद इकोसिस्टम बनाते हैं जो एआई एजेंट को कैलेंडर, ईमेल, चैट लॉग और पेमेंट क्रेडेंशियल तक पहुंचने से रोकते हैं। अगर ये बड़ी परमिशन सभी डिवाइस पर दी जाती है, तो इससे डेटा प्राइवेसी और सिक्योरिटी को नुकसान होता है। रिपोर्ट में इसे ही ÷पश्चिमी दुनिया में ओपनक्लॉ और चीन में डोबाओ फोन पर विवाद की जड़÷ बताया गया है। रिपोर्ट में बताया गया, ÷इसका मतलब यह है कि जब एआई एजेंट किसी ऐप का उपयोग करके कोई काम पूरा करने की कोशिश करते हैं (जैसे कि वीचैट में आए उस टेक्स्ट मैसेज की सामग्री देखना जिसमें डिनर पर मिलने की योजना की बात हो) तो यह काम तब तक असफल रहेगा जब तक एजेंट के पास उस ऐप के बंद इकोसिस्टम (वॉल्ड गार्डन) के अंदर मौजूद जानकारी को पढ़ने और उस पर कार्रवाई करने की अनुमति नहीं होगी। डोबाओ फोन में मौजूद एजेंट स्क्रीन पढ़ सकता है और यूजर की तरह काम कर सकता है। इसी वजह से बड़े ऐप्स जैसे टोबाओ, अलीपे और वीचैट ने इसे ब्लॉक कर दिया, क्योंकि उन्हें धोखाधड़ी और डेटा लीक का डर था।

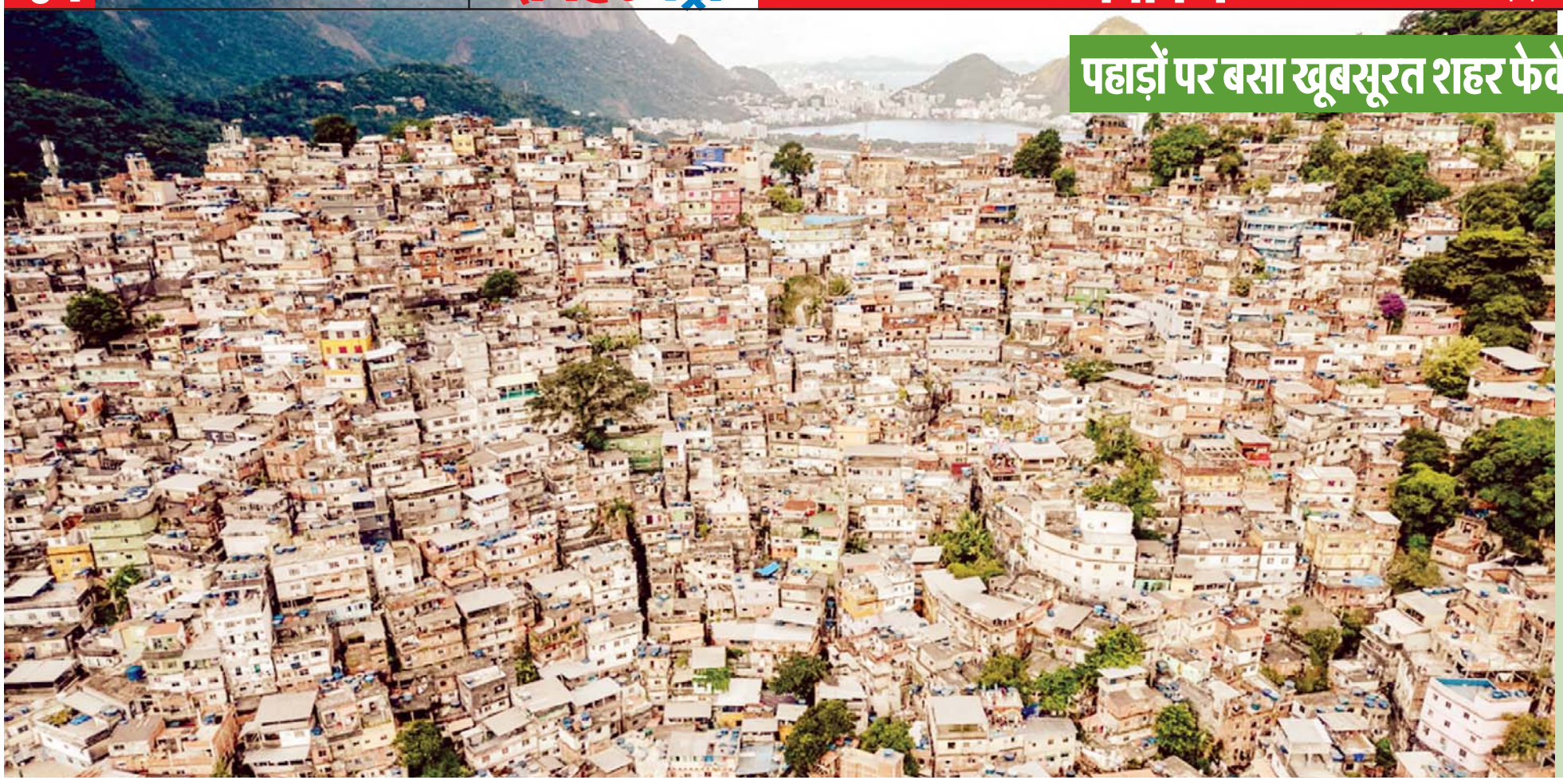

पहाड़ों पर बसा खूबसूरत शहर फेवेला रोसिन्हा

फेवेला रोसिन्हा। रियो डी जेनेरो के सबसे ज़्यादा आबादी वाले फेवेला रोसिन्हा का हवाई नज़ारा जो शहर के ऊपर एक पहाड़ पर बना है। ऊंचे पहाड़ पर स्थित होने के कारण, यहाँ से पूरा शहर बेहद खुबसूरत दिखाई देता हैं। यही इसकी एकमात्र खासियत नहीं है यहां के लोग मिलनसार हैं, नाइटलाइफ़ शानदार है, हाइकिंग ट्रेल्स चुनौतीपूर्ण लेकिन अविश्वसनीय हैं और बेहद खड़ी और संकरी गलियों से होते हुए मोटरबाइक की पिछली सीट पर सवारी करना एक ऐसा अनुभव है जिसे आप हमेशा याद रखेंगे।यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटक घूमने आते हैं।

न्यूज विंडो

सिंगर रिहाना के घर फायरिंग गोली चलाने वाली महिला गिरफ्तार

लॉस एंजिल्स। दुनिया की सबसे मशहूर सिंगर्स में से एक रिहाना के घर पर फायरिंग हुई है। उनके घर की तरफ एक महिला ने बार-बार फायरिंग की। घटना में किसी के जख्मी होने की खबर नहीं है। गोली चलाने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया गया है। लॉस एंजिल्स पुलिस डिपार्टमेंट ने कन्फर्म किया है कि रिहाना के घर के पास गोलीबारी की घटना हुई। 5 से 7 गोलियां चलीं। गोलियां घर के गेट पर लगीं लेकिन घर में नहीं लगीं। घटना में कोई घायल नहीं हुआ। घर में लोग मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि 30 साल की एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। हमले के बाद पुलिस ने एक गाड़ी को ट्रैक किया। यह सफेद टेस्ला थी। वह पास की एक जगह पर मिली और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने अभी तक महिला की पहचान या गोलीबारी के पीछे का मकसद नहीं बताया है। मामले की जांच अभी भी जारी है। खबर है कि 38 साल की रिहाना अपने पार्टनर, रैपर रॉकी और अपने तीन बच्चों के साथ बेवर्ली हिल्स वाले घर में रहती हैं। सिंगर के प्रतिनिधियों ने अभी तक इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है।

घर में खेल रही थी बच्ची, अचानक आया साइलेंट अटैक, मौके पर मौत

दतिया। भांडेर अनुभाग के ग्राम तालगांव निवासी 15 वर्षीय दसवीं की छात्रा उर्वांगी दुबे उर्फ गुनगुन पुत्री विनय दुबे की हाल निवास आलमपुर जिला भिंड स्थित अपने घर पर साइलेंट अटैक की वजह से अचानक मौत हो गई। कम उम्र में अचानक हुई इस मौत ने परिजन को विचलित और हैरान कर दिया। भांडेर क्षेत्र में इतनी कम उम्र में साइलेंट अटैक से मौत का यह पहला और इकलौता मामला बताया जा रहा है।

इस घटना के बारे में उर्वांगी के पिता विनय ने बताया कि वे भिंड जिले के आरुषि में बतौर शिक्षक पदस्थ होकर आलमपुर में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रहते हैं।सामान्य दिन की तरह सुबह करीब दस बजे अपने दो अन्य बच्चों सहित उर्वांगी को हंसता खेलते छोड़ गए थे। करीब पौने तीन बजे उन्हें घर से मोबाइल पर सूचना मिली कि उर्वांगी की तबियत अचानक से बिगड़ गई है।घर पहुंचकर डॉक्टर को बुलाया, लेकिन डॉक्टर के आने से पहले ही उसने दमतोड़ दिया। परीक्षण करने वाले डॉक्टर भी इसे साइलेंट अटैक का केस मान रहे हैं।

लिव-इन पार्टनर ने अस्पताल परिसर में युवती पर किया एसिड अटैक

गुरुग्राम। सेक्टर 10ए स्थित सिविल अस्पताल में इलाज कराने आई 30 वर्षीय युवती पर एसिड अटैक करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित युवती के साथ चार साल से लिव इन में रह रहा था।इसकी पहचान रेवाड़ी के जैनाबाद के रहने वाले पवन कुमार के रूप में की गई। वहीं युवती की हालत ठीक है। इलाज के बाद उसे रात में ही डिस्चार्ज कर दिया गया। एसिड अटैक में उसके कपड़े जल गए थे। एसिड अटैक की जानकारी मिलने के बाद सेक्टर 10ए थाना पुलिस नागरिक अस्पताल पहुंची। यहां युवती के बयान लिए गए। नूंह की रहने वाली युवती ने बताया कि वह करीब चार साल पहले काम की तलाश में गुरुग्राम के सुभाष नगर स्थित मौसी के घर आई थी। यहां जान पहचान होने के बाद पवन नाम के व्यक्ति के साथ सेक्टर 72 में एक फ्लैट में लिव इन में रहने लगी। दोनों में कई बार पहले भी विवाद हो चुका था। रविवार को पवन ने विवाद के बाद युवती के साथ मारपीट की। जब वह इलाज कराने के लिए नागरिक अस्पताल पहुंची तो पीछे से आरोपित भी आ गया। यहां उसने अस्पताल परिसर में ही युवती पर एसिड फेंक दिया। गनीमत रही कि एसिड कपड़ों पर गिरा। इससे उसके कपड़े जल गए।

महज एक सदन की सदस्यता का अनुभव लेने के लिए मुख्यमंत्री का पद त्यागना आश्चर्यजनक

गले नहीं उतर रहा नीतीश कुमार का 'जबरिया रिटायरमेंट' का 'नया प्रयोग'

पटना, एजेंसी

बिहार ऐतिहासिक रूप से भारतीय राजनीति की वह प्रयोगशाला रहा है, जिसके नतीजों ने दूरगामी असर डाले हैं। फिर चाहे वह जेपी की संपूर्ण क्रांति हो या मंडल आयोग के बाद उपजी सामाजिक न्याय की लहर। लेकिन वर्तमान में बिहार के मुख्यमंत्री को 'जबरिया रिटायर' कर राज्यसभा में भेजने का जो 'नया प्रयोग' हो रहा है, वह किसी के गले नहीं उतर रहा। नीतीश कुमार का यह तर्क भी हजम नहीं हो पा रहा है कि वे सारे सदनों में रह चुके हैं और अब बस राज्यसभा की कमी को पूरा करना चाहते हैं।

राष्ट्रीय दलों की छाया में बौने होते क्षेत्रीय दल!

यह सवाल आज इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय दलों के साथ गठबंधन करने वाले क्षेत्रीय दल अक्सर अपनी पहचान खो देते हैं। पहले कांग्रेस इस भूमिका में थी और आज वही भूमिका भाजपा निभा रही है। असम से लेकर महाराष्ट्र तक के उदाहरण गवाह हैं कि भाजपा के साथ जुड़ने से जहां राष्ट्रीय दल को विस्तार मिला, वहीं क्षेत्रीय साझेदार बौने होते चले गए। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे का मुख्यमंत्री से उपमुख्यमंत्री के स्तर पर आना या पंजाब में अकाली दल का हाशिए पर चले जाना इसी कड़वी हकीकत पर मोहर लगाता है। पूर्वोत्तर में तो स्थिति यह है कि क्षेत्रीय दल सत्ता में होने के बावजूद केंद्र या हिमंत बिस्वा सरमा जैसे क्षत्रपों के दिशा-निर्देशों के बिना एक कदम भी नहीं बढ़ा पाते।

प्रथम दृष्टया यह मामला इसलिए भी असाधारण है, क्योंकि भारतीय राजनीति के प्रोटोकॉल में एक बड़े राज्य के मुख्यमंत्री की हैसियत किसी भी केंद्रीय मंत्री से कहीं अधिक प्रभावी मानी जाती है। फिर राष्ट्रीय फलक पर बिहार के मुख्यमंत्री का पद तो रुतबे के लिहाज से शीर्ष दस पदों में शुमार होता है। ऐसे में, महज एक सदन की सदस्यता का अनुभव लेने के लिए मुख्यमंत्री का पद त्यागना न केवल आश्चर्यजनक है, बल्कि सत्ता के गलियारों में कई गंभीर आशंकाओं को भी जन्म देता है।

दांव पर जदयू का भविष्य?

नीतीश कुमार का राज्य के शीर्ष सियासी पद से हटने पर राजी हो जाना सीधे तौर पर उनकी अपनी ही पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के भविष्य को दांव पर लगा देता है। यदि इतिहास पर नजर डालें तो जनता पार्टी की कोख से ही जनता दल और फिर जनता दल से कई दलों का निर्माण हुआ, जिनमें जनता दल (यू) भी शामिल है। इनमें से कुछ दलों का तो आज भी अपने-अपने राज्यों में अच्छा प्रभाव हैं, जैसे उप्र में समाजवादी पार्टी, बिहार में राजद और कर्नाटक में जनता दल (एस)। लेकिन जनता पार्टी या जनता दल से ही निकलीं कई अन्य पार्टियां इतिहास के पन्नों में खो गईं, जैसे चंद्रशेखर की समाजवादी जनता पार्टी। सुब्रमण्यम स्वामी भी अपनी एक पार्टी (जनता पार्टी) चलाते थे, लेकिन उनके भाजपा में शामिल होते ही वह भी विलुप्त हो गई। तो क्या नीतीश कुमार के इस कदम, जिसे उनके कई विरोधी भाजपा के समक्ष उनका 'सरेंडर' बता रहे हैं, से जनता दल (यू) का अस्तित्व संकट में नहीं आ जाएगा?

उत्तराधिकारी पर संशय

तो क्या बिहार में जनता दल (यू) की नियति में भी यही लिखा है? तमाम क्षेत्रीय दलों के साथ एक समस्या यह होती है कि वहां दूसरी पंक्ति के नेताओं को तैयार करने की परिपाटी नहीं है। अधिकांश क्षेत्रीय दलों में उत्तराधिकार की डोर परिवार के हाथ में होती है। ऐसे में नीतीश कुमार के बाद कौन, यह सवाल और भी शिद्दत से इसलिए भी पूछा जा रहा है, क्योंकि उनकी पार्टी में ऐसा एक भी कद्दावर नेता नजर नहीं आ रहा, जो उनकी जगह ले सके और भाजपा जैसे अपने सीनियर सहयोगी के साथ पटरी बैठा सके। नीतीश कुमार ने राजनीति में अपने पुत्र निशांत कुमार को लाने में भी बहुत देर कर दी है।

बिलासपुर के मुकुंदपुर का मामला

शादी में सुबह नाश्ते के बाद 40 की बिगड़ी तबीयत

बिलासपुर, एजेंसी

पचपेड़ी क्षेत्र के मुकुंदपुर गांव में एक शादी समारोह के बाद अचानक 40 लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कार्यक्रम में शामिल हुए लोगों को उल्टी और कमजोरी की शिकायत होने लगी, जिसके बाद उन्हें मस्तूरी और पामगढ़ के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद सभी मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

शादी कार्यक्रम के बाद हुई घटना: मुकुंदपुर गांव निवासी मंगलु पैकरा के घर बेटी की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। घर में हरदियाही का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के बाद परिवार के सदस्य और मोहल्ले के कुछ लोग वहीं पर भोजन कर रात में सोने चले गए। सुबह नाश्ता करने के बाद रात के कार्यक्रम में शामिल कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। घर की महिलाएं, बच्चे और पुरुष सदस्य एक-एक कर उल्टियां करने लगे और अस्वस्थ महसूस करने लगे।

अस्पताल में मची अफरा-तफरी

मुकुंदपुर गांव में एक साथ करीब 40 लोगों की तबीयत बिगड़ने से मस्तूरी स्वास्थ्य केंद्र में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। एक साथ 35 मरीजों के पहुंचने से अस्पताल में बेड कम पड़ गए। अस्पताल स्टाफ ने इसकी सूचना बीएमओ अनिल कुमार को दी और तत्काल इलाज शुरू किया। बेड की कमी के कारण कुछ मरीजों को एक ही बेड पर दो से तीन लोगों को सुलाकर उपचार दिया गया।

ग्रामीणों ने दिखाई तत्परता: गांव के सरपंच नरेश पटेल ने बताया कि जैसे ही शादी घर में लोगों के बीमार होने की सूचना मिली, मोहल्ले के लोगों ने तुरंत मदद की। स्वास्थ्य विभाग को भी तत्काल जानकारी दी गई। इसके बाद एंबुलेंस और निजी वाहनों की मदद से मरीजों को अस्पताल पहुंचाया गया।

'युद्ध का कोई उद्देश्य साफ नहीं'

पूर्व अमेरिकी NSA ने ईरान से जंग पर जताई चिंता, ट्रंप की रणनीति की आलोचना की

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब अपने दसवें दिन में प्रवेश कर चुका है। इसके बाद भी ये संघर्ष कम होने के बजाय और भयावह रूप लेता नजर आ रहा है। इसी बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन के ईरान के साथ युद्ध को लेकर चिंता व्यक्त की है। साथ ही ट्रंप की ईरान के साथ युद्ध नीति की आलोचना भी की है। उन्होंने कहा है कि युद्ध एक स्पष्ट रणनीतिक उद्देश्य के बिना भटक सकता है, भले ही अमेरिकी सैन्य अभियान सामरिक स्तर पर सफल दिख रहे हों।

सुलिवन ने सीएनएन के शो 'फरेद जकारिया जीपीएस' में कहा कि अमेरिकी सेना बहुत कुशल, साहसी और पेशेवर है, लेकिन युद्ध का अंतिम उद्देश्य अब भी साफ नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह युद्ध अमेरिकी सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, और अब तक सात सैनिकों की जान जा चुकी है। उनका कहना है कि प्रशासन ने युद्ध के लिए कई अलग-अलग वजहें बताई हैं, लेकिन कोई स्पष्ट रणनीति नहीं है, और यह समय के साथ बदलती रहती हैं।

पोस्ट बजट वेबिनार: पर्यटन, शिक्षा, कौशल और विवि टाउनशिप पर चर्चा

टूरिस्ट डेस्टीनेशन को विकसित करने पर फोकस: मोदी

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के पोस्ट-बजट वेबिनार की शुरुआत हो चुकी है। इस वेबिनार में देश के अलग-अलग हिस्सों से अनेक शिक्षाविद्, इंस्टीट्यूट्स और छात्र भाग लियां। वेबिनार में पीएम मोदी केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई शिक्षा, कौशल और विश्वविद्यालय टाउनशिप जैसी घोषणाओं के क्रियान्वयन पर पर बात की । वेबिनार की थीम 'सबका साथ, सबका विकास: जन आकांक्षाओं की पूर्ति' रखी गई है।

पीएम मोदी ने कहा, 'टूरिज्म और कल्चर रोजगार के नए अवसर बनाने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। जब किसी स्थान पर टूरिज्म बढ़ता है तो उस स्थान या शहर का सम्पूर्ण विकास भी तेज हो जाता है। भारत में ऐसे एतिहासिक स्थलों की कोई कमी नहीं है। लंबे समय से टूरिज्म देश के कुछ चुनिंदा स्थानों तक ही सीमित रह गया है। अब हमें देश के कोन-कोने में टूरिस्ट डेस्टीनेशन को नए सिरे से विकसित करने पर फोकस कर रहे हैं। साथियों आप सभी इस वेबिनार में भारत के टूरिज्म इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए हॉलिस्टिक अप्रोच पर जरूर चर्चा करें।' युवा शक्ति तभी राष्ट्र की शक्ति बनती है, जब वह स्वस्थ भी हो, अनुशासित भी हो और आत्मविश्वास से भरी हो, इसलिए पिछले कुछ वर्षों में खेलों को भी राष्ट्रीय विकास की एक महत्वपूर्ण धारा के रूप में देखा गया है। खेलो इंडिया जैसी पहलों ने देश में स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को नई ऊर्जा दी है। देशभर में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जा रहा है।

बेटियों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में प्रयास करने की अपील

पीएम मोदी ने बताया कि स्टेम के विषयों (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित) में रुचि रखने वाली बेटियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने इसे देश के लिए बहुत गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा, 'आज जब हम भविष्य की तकनीक के लिए तैयार हो रहे हैं, तो बहुत जरूरी है कि कोई भी बेटी अवसरों के अभाव में रुक न जाए। हमें महिलाओं के प्रतिभाग को बढ़ाने पर जोर देना होगा और ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां युवा शोधार्थियों को प्रयोग करने और नए आइडिया पर काम करने का पूरा अवसर मिले।'

मेट्रो एंकर

दिल्ली से गोवा जा रही अकासा एयर फ्लाइट का मामला

विमान के शौचालय में बीड़ी जलाकर बैठ गया यात्री, मच गया हड़कंप

नई दिल्ली, एजेंसी

अक्सर उड़ान के दौरान विमान में विवाद की कई खबरें हमारे सामने आती रहती हैं। कई लोग विमान में उड़ान के वक्त ऐसी हरकतें करते हैं जिससे विमान में मौजूद अन्य यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाती है। ऐसा ही एक हैरान कर देने वाला मामला दिल्ली से गोवा जा रही अकासा एयर की फ्लाइट में देखने को मिला है। जानकारी के मुताबिक, विमान के शौचालय में एक यात्री बीड़ी जलाकर पीने लगा जिससे हड़कंप मच गया। आरोपी यात्री ने विमान में मौजूद सभी लोगों की जान को खतरे में डाल दिया। मामले के सामने आने के बाद यात्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

यह है पूरा मामला

पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, विमान के शौचालय में बीड़ी पीने के आरोप में एक पैसेंजर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि ये घटना रविवार को हुई है। आरोपी की पहचान आशीष नाम के शख्स के रूप में की गई है जो कि दिल्ली से गोवा जाने वाली अकासा एयर की उड़ान क्यूपी-1625 में सफर कर रहा था। एयरलाइन ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपी ने कथित तौर पर विमान के शौचालय में बीड़ी पी। उसके पास से एक लाइटर भी मिला है। इस कारण विमान और उसमें मौजूद यात्रियों की जान को खतरा हो सकता था। पुलिस ने जानकारी दी है कि यात्री द्वारा विमान में बीड़ी जलाए जाने से सहयात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। आरोपी के खिलाफ मोपा एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना को लेकर आगे की जांच की जा रही है।

आरोपी को संबंधित अधिकारियों को सौंपा

अकासा एयर की ओर से भी इस घटना के बारे में जानकारी दी गई है। विमानन कंपनी ने बताया है कि घटना के सामने आने के बाद क्रू मेंबर्स ने जरूरी प्रोटोकॉल के अनुसार काम किया। एयरलाइन ने बताया- 'अकासा एयर की फ्लाइट क्यूपी-1625 में एक यात्री को विमान के शौचालय में धूम्रपान करते हुए पाया गया। क्रू मेंबर्स ने सुरक्षा और नियामक प्रक्रियाओं और कानून के अनुरूप जरूरी प्रोटोकॉल का पालन किया और गोवा पहुंचने पर आरोपी को संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करेंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564